RNI No. : TNHIN/2013/5252 | वर्ष - 13 | अंक - 160 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » शनिवार » 03-01-2026 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 इंदौर में हुई मौतों पर भी प्रधानमंत्री हमेशा की तरह मौन हैं : खरगे
6 भारत 2026 : भविष्य की ओर एक आत्ममंथन
7 देश की रक्षा में जान गंवाने वाले सैनिकों को अनुपम खेर ने किया याद

फर्स्ट टेक

मेक्सिको में भूकंप के 6.5 तीव्रता के झटके महसूस किए गए

मेक्सिको सिटी/एपी। दक्षिणी और मध्य मेक्सिको में आये जबरदस्त भूकंप के कारण राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम का नए साल का पहला संवाददाता सम्मेलन बाधित हो गया। मेक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप एजेंसी के अनुसार, भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.5 थी और इसका केंद्र दक्षिणी प्रांत गुरेरो में सैन मार्कोस शहर के निकट, प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को रिसॉर्ट के नजदीक था। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

सऊदी अरब ने किया दक्षिणी यमन में यूएई समर्थित अलगाववादियों पर हमला

अदन (यमन)/एपी। सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को दक्षिणी यमन में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समर्थित बलों पर हमले किए। एक अलगाववादी नेता ने यह जानकारी दी। हमले में किसी के हताहत होने के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब सऊदी अरब के नेतृत्व में एक अभियान उसकी सीमा से लगे हद्रामौत प्रांत में 'साउदर्न ट्रांजिस्नल काउंसिल' (एसटीसी) के शिविरों पर नियंत्रण करने का प्रयास कर रहा है। पिछले महीने एसटीसी द्वारा यमन के हद्रामौत और महरा प्रांतों में प्रवेश करने और तेल समृद्ध क्षेत्र पर कब्जा करने के बाद सऊदी अरब और यूएई के बीच तनाव बढ़ गया। एसटीसी के उप-प्रमुख और हद्रामौत के पूर्व गवर्नर अहमद बिन बराइक ने एक बयान में कहा कि सऊदी अरब समर्थित 'नेशनल शील्ड फोर्सेज' शिविरों की ओर बढ़ीं, लेकिन अलगाववादियों ने पीछे हटने से इनकार कर दिया, जिसके कारण हवाई हमले किए गए।

ट्रंप और शीर्ष ईरानी अधिकारियों ने एक दूसरे को धमकी दी

दुबई/एपी। ईरान के कुछ हिस्सों में सत्ताविरोधी प्रदर्शनों के गति पकड़ने के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शीर्ष ईरानी अधिकारियों ने शुक्रवार को एक-दूसरे को धमकियां दीं। इसी के साथ जून में अमेरिका द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद दोनों देशों के बीच पहले से जारी तनाव और भी बढ़ गया है। ईरान में प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक कम से कम सात लोग मारे जा चुके हैं। ये प्रदर्शन आंशिक रूप से ईरान की रियाल मुद्रा के पतन के कारण भड़के थे, लेकिन यह अब तेजी से सत्ताविरोधी प्रदर्शन का रूप लेती जा रही है।

सूर्यास्त 03-01-2026	सूर्योदय 04-01-2026
5:54 बजे	6:32 बजे

BSE	NSE
85,762.01	26,328.55
(+573.41)	(+182.00)

सोना	चांदी
14,024 रु.	260,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कर्म प्रलाप

यदि लगे स्वयं का कर्म तुच्छ,
तो त्यागे उसको शीघ्र आप।
करता है कौन बाध्य किसको,
मानो मत इसको पुण्य पाप।
शापित दंडित ना कर सकते,
अब वर्ण व्यवस्था जाति खांप।
मन चाहा कर्म कर रहे सब,
छोड़ें कुंठाओं के प्रलाप।।

प्रत्येक युवा की भविष्य को गढ़ने में भूमिका है : उपराष्ट्रपति

■ नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी पर आधारित शिक्षा भारत के विकास के लिए आवश्यक है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि अगले दो दशकों के भीतर विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी नागरिकों, ''विशेष रूप से युवाओं'' की भागीदारी आवश्यक होगी। उपराष्ट्रपति ने चेन्नई स्थित डॉ. एमजीआर शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान के 34वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''भविष्य को आकार देने में प्रत्येक युवा की भूमिका होती है। आपको राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देना चाहिए।''

राधाकृष्णन ने छात्रों से आजीवन सीखने वाले बनने और राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी पर आधारित शिक्षा भारत के विकास के लिए आवश्यक है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''सफलता के शॉर्टकट क्षण भर के लिए भव्य और सफल प्रतीत हो सकते हैं, लेकिन वे भ्रामक होते हैं। ऐसे शॉर्टकट अंततः पतन की ओर ले जाते हैं... इसलिए, आपके द्वारा किया गया प्रत्येक प्रयास सद्गुण (धर्म) और अनुशासन पर आधारित होना चाहिए।'' उन्होंने स्नातकों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''दीक्षांत समारोह जीवन के एक नए चरण की शुरुआत का प्रतीक है, जो अधिक जिम्मेदारियों और अवसरों को लेकर आता है।''

भारत के इरादों को गलत समझने से बचाने के लिए संवाद जरूरी : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत के इरादों को गलत तरीके से समझने की स्थिति से बचने के लिए अन्य देशों के साथ प्रभावी संवाद बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास में छात्रों के साथ एक संवाद कार्यक्रम में भाग लेते हुए जयशंकर ने कहा, लोगों को आपको गलत समझने से रोकने का तरीका संवाद है। यदि आप अच्छी तरह, स्पष्ट और ईमानदारी से संवाद करते हैं तो अन्य देश और लोग उसका सम्मान करते हैं और उसे स्वीकार करते हैं।

उन्होंने कहा, ''विश्वभर में बहुत से लोग अपनी संस्कृति, परंपरा और विरासत पर गर्व करते हैं। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि हम ऐसा क्यों न करें।'' जयशंकर ने कहा, ''बहुत कम प्राचीन सभ्यताएं हैं जो आज प्रमुख आधुनिक राष्ट्र-राज्यों के रूप में अस्तित्व में हैं और भारत उनमें से एक है। हमारे पास अपने अतीत की ऐसी समझ है जो बहुत कम देशों के पास है... यह लोकतांत्रिक राजनीतिक मॉडल को अपनाने का हमारा निर्णय ही था, जिसने लोकतंत्र के विचार को एक सार्वभौमिक राजनीतिक अवधारणा बना दिया।''

उन्होंने कहा, यदि हमने यह रास्ता नहीं चुना होता तो लोकतांत्रिक आदर्श क्षेत्रीय और संकीर्ण ही रह जाता।... पश्चिम के साथ साझेदारी भी महत्वपूर्ण है और इसी तरह हम दुनिया को आकार देते हैं। जयशंकर ने कहा कि देशों ने घरेलू स्तर पर विकास करने और उसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से प्रगति की है तथा अंतरराष्ट्रीय परिवेश का इस तरह उपयोग किया है जिससे उन्हें लाभ भी मिला।

डॉलर के मुकाबले रुपया फिर 90 के पार

मुंबई/भाषा। रुपया शुक्रवार को फिर 90 के स्तर से नीचे फिसल गया और 22 पैसे टूटकर 90.20 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। निराशाजनक वृहत आर्थिक आंकड़ों और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से रुपया दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा आयातकों की मजबूत डॉलर मांग ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया। उन्होंने कहा कि हालांकि कच्चे तेल की कमजोर कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में उछाल ने गिरावट को कुछ हद तक अंकुश लगाया।

सिद्दरामय्या ने चुनाव सर्वेक्षण रिपोर्ट पर कहा

'वोट चोरी' सिर्फ एक नारा नहीं, यह 'आरोप पत्र' है

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हालिया चुनाव सर्वेक्षण रिपोर्ट को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए शुक्रवार को कहा कि 'वोट चोरी' एक नारा नहीं, बल्कि एक ''आरोप पत्र'' है।

इस सर्वेक्षण में पाया गया कि कर्नाटक के अधिकतर नागरिक मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से आयोजित किए जाते हैं और ईवीएम सटीक परिणाम प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि किसी सीमित और पूर्व में हुई घटना के प्रशासनिक सर्वेक्षण से आपराधिक साक्ष्य, आरोपपत्र या अनुत्तरित प्रश्नों को दबाया नहीं जा सकता, और यह ''बेहद दुर्भाग्यपूर्ण'' है कि तथ्यों की जांच करने के बजाय, मीडिया के कुछ वर्गों ने सर्वेक्षण के तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने को तरजीह दी।

ये निष्कर्ष कर्नाटक निगरानी एवं मूल्यांकन प्राधिकरण (केएमईए) की ओर से प्रकाशित 'लोकसभा चुनाव 2024-नागरिकों के ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी) के अंतिम सर्वेक्षण का मूल्यांकन' शीर्षक वाली रिपोर्ट का हिस्सा हैं। अगस्त 2025 में तैयार यह सर्वेक्षण रिपोर्ट हाल ही में सार्वजनिक की गई है।

सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले 24 घंटों में, निर्वाचन आयोग के एक सर्वेक्षण का चुनिंदा रूप से इस्तेमाल एक भ्रामक विमर्श गढ़ने के लिए किया गया है, जिसमें राहुल गांधी द्वारा चुनावी कदाचार के बारे में उठाई गई गंभीर चिंताओं को किसी तरह 'गलत साबित' कर दिया गया है।

आरएसएस अर्धसैनिक संगठन नहीं : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि वर्दी और शारीरिक अभ्यास के बावजूद संघ कोई 'अर्धसैनिक' संगठन नहीं है। भागवत ने यहां प्रबुद्धजनों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज को एकजुट करने और उसमें आवश्यक गुण व सद्गुण विकसित करने का कार्य करता है, ताकि भारत दोबारा किसी विदेशी शक्ति के अधीन न जाए।

संघ प्रमुख ने कहा, ''हम वर्दी पहनते हैं, पथ संचलन करते हैं और दंड अभ्यास करते हैं। लेकिन अगर कोई इसे अर्धसैनिक संगठन समझता है तो यह भूल होगी।'' उन्होंने कहा कि आरएसएस संघ एक अनूठा संगठन है, जिसे समझना आसान नहीं है।

भागवत ने कहा कि संघ के खिलाफ एक झूठा विमर्श गढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आजकल लोग सही जानकारी के लिए गहराई में नहीं जाते। वे स्रोत तक नहीं पहुंचते, बल्कि विकिपीडिया देख लेते हैं। वहां सब कुछ सही नहीं होता। जो भरोसेमंद स्रोतों तक जाएंगे, उन्हें संघ के बारे में सही जानकारी मिलेगी।''

भागवत ने कहा कि इन्हीं भ्रांतियों के कारण संघ की भूमिका और उद्देश्य को स्पष्ट करना आवश्यक हो गया है। संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान देशभर का दौरा करने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आम धारणा है कि संघ का जन्म किसी प्रतिक्रिया या विरोध के रूप में हुआ, जबकि ऐसा नहीं है।

भागवत ने कहा, ''संघ किसी प्रतिक्रिया या विरोध में नहीं बना है। संघ किसी से प्रतिस्पर्धा भी नहीं करता।'' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अंग्रेज भारत पर आक्रमण करने वाले पहले लोग नहीं थे। उन्होंने कहा कि बार-बार दूर-दराज से आए कुछ गिने-चुने लोग, जो भारतीयों से हर दृष्टि से कमजोर थे, उन्होंने हमें पराजित किया। भागवत ने कहा, ''वे न तो हम जैसे समृद्ध थे, न ही हम जैसे सदाचारी। देश की बारीकियों को जाने बिना भी वे हमारे घर में हमें हराते रहे। ऐसा सात बार हुआ और अंग्रेज आठवें आक्रांता थे। तब सवाल उठता है कि आजादी की गारंटी क्या है? हमें यह सोचने की जरूरत है कि ऐसा बार-बार क्यों हुआ।''

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारतीय वायु सेना के कार निकोबार वायुसेना अड्डे पर पुन:निर्मित एवं उन्नत हवाई पट्टी का उद्घाटन किया। सीडीएस पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे कार निकोबार द्वीप पहुंचे, जहां नौसेना के अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल अजय कोचर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। एक अधिकारी ने बताया, ''सीडीएस ने भारतीय वायु सेना के कार निकोबार अड्डे पर पुनर्निर्मित और उन्नत रनवे का उद्घाटन किया।'' श्री विजयपुरम से लगभग 535 किलोमीटर दूर स्थित निकोबार जिले का कार निकोबार द्वीप 2004 की सुनामी के दौरान सबसे अधिक प्रभावित हुआ था।

देश 2035 तक बनेगा दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चिप उत्पादक : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि भारत 2032 तक सेमीकंडक्टर विनिर्माण करने वाले शीर्ष चार देशों में शामिल हो जाएगा और 2035 तक दुनिया का सर्वश्रेष्ठ चिप उत्पादक बन जाएगा। उन्होंने कहा कि इसकी बड़ी वजह देश में उपलब्ध प्रतिभा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री ने कहा कि चार चिप कंपनियां इस साल वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेंगी और देश की लगभग सभी प्रमुख वाहन और दूरसंचार कंपनियां उनसे सेमीकंडक्टर लेंगी।

वह इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत 41,863 करोड़ रुपये के निवेश वाली 22 परियोजनाओं को मंजूरी देने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि 2032 तक हम सेमीकंडक्टर उद्योग में शीर्ष चार देशों में होंगे और 2035 तक हम सर्वश्रेष्ठ देशों में शामिल होंगे। यह दिशा साफ तौर पर दिख रही है। इसका स्पष्ट अनुमान लगाया जा सकता है।''

वैष्णव ने बताया कि सरकार ने सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत अब तक 10 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी है, जिनमें दो फैब (फैब्रिकेशन यूनिट) और आठ चिप असेम्बली, परिक्षण और पैकेजिंग परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। उन्होंने कहा, ''जिन संयंत्रों ने पिछले साल प्रायौगिक तौर पर उत्पादन शुरू किया था, वही पहले वाणिज्यिक उत्पादन में आएंगे। इसमें केन्स और सीजी सेमी शामिल हैं। माइक्रॉन ने भी हाल ही में प्रायोगिक उत्पादन शुरू किया है। वे भी अगले महीने वाणिज्यिक उत्पादन में जाएंगे। असम में टाटा का संयंत्र इस साल के मध्य तक प्रायोगिक उत्पादन शुरू करेगा और साल के अंत तक वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर देगा।''

वैष्णव ने कहा कि इसके अलावा डिजाइन से जुड़े प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत स्टार्टअप के माध्यम से 24 चिप डिजाइन परियोजनाओं को समर्थन दिया जा रहा है, जिनका कुल परियोजना मूल्य 920 करोड़ रुपये है।

भारत जल्द ही ड्रोन शक्ति मिशन शुरू करेगा

नई दिल्ली/भाषा। भारत जल्द ही ड्रोन के निर्माण में प्रौद्योगिकी आत्मनिर्भता हासिल करने के लिए एक मिशन शुरू करेगा, जो उत्पाद वितरण से लेकर युद्ध तक के अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद ने कहा, ''निकट भविष्य में, हम ड्रोन शक्ति मिशन शुरू करने जा रहे हैं, जिसके तहत ड्रोन में इस्तेमाल होने वाले कलपुर्जों के निर्माण के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा, बजाय इसके कि आयातित कलपुर्जों का उपयोग करके ड्रोन को तैयार किया जाए।'' उन्होंने पत्रकारों से कहा कि इस मिशन का कलपुर्जा निर्माण को प्रोत्साहित करने और उच्चस्तरीय ड्रोन के लिए आवश्यक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने जैसा दोहरा उद्देश्य है। सूद ने कहा कि ड्रोन शक्ति मिशन को अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के तहत शुरू किया जाएगा, जिसका उद्देश्य देश में अनुसंधान, विकास और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना है। शीर्ष वैज्ञानिक सलाहकार ने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी संप्रभुता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्नत विनिर्माण और रोबोटिक्स के क्षेत्रों पर भी विचार कर रही है।

ममता का शाह को धमकाना लोकतंत्र पर सीधा हमला : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को हाल ही में राज्य की यात्रा के दौरान उन्हें धमकी देने का आरोप लगाया और इसे देश के लोकतंत्र पर 'सीधा हमला' करार दिया।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में 'जंगल राज' फल-फूल रहा है।

भाटिया ने कहा, यह बेहद गंभीर मामला है कि एक मुख्यमंत्री ने भारत के गृह मंत्री को धमकी दी और कहा कि वह (शाह) उनकी (ममता की) इच्छा के विरुद्ध पश्चिम बंगाल में प्रवेश भी नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ममता चाहें तो गृह मंत्री अपने होटल के कमरे से बाहर भी नहीं निकल पाएंगे।

भाटिया ने कहा, यह भारत के लोकतंत्र और संघीय व्यवस्था पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया, ममता बनर्जी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को कैसे धमका सकती हैं? क्या वह खुद को संविधान से ऊपर समझती हैं? भारत की प्रत्येक इंच भूमि पर हर भारतीय का अधिकार है।''

भाजपा प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि ममता बनर्जी राज्य में कानून-व्यवस्था की चरमराती स्थिति का पर्याय बन गई हैं। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार उनकी (ममता की) सबसे बड़ी पहचान है... उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बने रहने का अधिकार खो दिया है।

भाटिया ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की जनता ने आगामी विधानसभा चुनावों में टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने और भाजपा को अपना जनादेश देने का फैसला कर लिया है।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस और वाम दलों पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन बन गए हैं।

सरकार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' से अश्लील सामग्रियां तत्काल हटाने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को कड़ा नोटिस जारी करते हुए मंच से सभी एआई-जनित अश्लील एवं गैरकानूनी सामग्रियों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने कहा कि खासकर 'एक्स' के कृत्रिम मेधा (एआई) ऐप 'ग्रोक' के जरिये तैयार की गई सामग्री को तत्काल हटाना होगा। ऐसा नहीं करने पर सोशल मीडिया कंपनी के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने भारत में एक्स के मुख्य अनुपालन अधिकारी को भेजे नोटिस में कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के तहत निर्धारित वैधानिक 'जांच-पड़ताल' दायित्वों का पालन न करने का आरोप है। इस आदेश के मुताबिक, एक्स को निर्देश दिया जाता है कि वह लागू कानूनों का उल्लंघन कर पहले से तैयार या प्रसारित की गई सभी सामग्री को बिना किसी देरी के हटाए या उसकी पहुंच को निष्क्रिय करे।

पालघर में बुलेट ट्रेन परियोजना की सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित रेल भवन से ही ऑनलाइन माध्यम से महाराष्ट्र के पालघर जिले में बुलेट ट्रेन परियोजना की 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य पूरा होते देखा।

वैष्णव ने मीडियाकर्मियों से कहा, ''आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की गई है। यह उपलब्धि पर्वतीय सुरंग 5 का सफल निर्माण है।'' रेल मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''यह 1.5 किलोमीटर लंबी पहाड़ी सुरंग पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है और यह विरार तथा बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशन के बीच स्थित है। महाराष्ट्र में यह दूसरी सुरंग है जिसकी खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है। इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) के बीच पांच किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का कार्य सितंबर 2025 में पूरा किया गया था।''

मुंबई और अहमदाबाद को जोड़ने वाली 508 किलोमीटर लंबी रेल परियोजना भारत की एकमात्र हाई-स्पीड रेल परियोजना है जिसे बुलेट ट्रेन को 320 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह बुलेट परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरती है। वैष्णव के अनुसार, एक बार पूरा होने पर, यह परियोजना मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा के समय को घटाकर मात्र एक घंटे और 58 मिनट कर देगी, जिससे प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों की अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ा और एकीकृत किया जा सकेगा। यह परियोजना जापान सरकार की तकनीकी और वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है। इसमें आठ पर्वतीय सुरंगें शामिल हैं, जिनमें से सात सुरंगें महाराष्ट्र में हैं जिनकी कुल लंबाई लगभग 6.05 किलोमीटर है और एक सुरंग 350 मीटर लंबी है जो गुजरात में स्थित है। मंत्रालय ने कहा, ''मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है, जिसमें सुरंगों की कुल लंबाई 27.4 किलोमीटर है। इसमें से 21 किलोमीटर भूमिगत सुरंगें और 6.4 किलोमीटर सतही सुरंगें शामिल हैं।'' उसने कहा कि यह कॉरिडोर साबरमती, अहमदाबाद, आनंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी, बोइसर, विरार, ठाणे और मुंबई सहित प्रमुख शहरों को जोड़ेगा, जो भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे में एक परिवर्तनकारी कदम होगा। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना से महत्वपूर्ण रोजगार सृजित हो रहा है और परिचालन के दौरान अतिरिक्त अवसर भी मिलेंगे।

अहमदाबाद पुष्प प्रदर्शनी शहर की जीवंत भावना और प्रकृति के प्रति प्रेम को प्रदर्शित करती है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि यह रचनात्मकता, स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही शहर की जीवंत भावना और प्रकृति के प्रति प्रेम को भी प्रदर्शित करती है।

अहमदाबाद नगर निगम ने ''14वीं अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी'' का आयोजन किया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अहमदाबाद पुष्प प्रदर्शनी रचनात्मकता, स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी को एक साथ लाती है, साथ ही शहर की जीवंत भावना और प्रकृति के प्रति प्रेम को खूबसूरती से प्रदर्शित करती है।'' मोदी ने पुष्प प्रदर्शनी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि इतने वर्षों में इस फूल प्रदर्शनी का आकार और कल्पनाशीलता जिस तरह बढ़ी है, वह भी सराहनीय है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेकर पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

पटेल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इस वर्ष अहमदाबाद नगर निगम द्वारा आयोजित 14वीं पुष्प प्रदर्शनी में दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का बनना हम सभी के लिए अपार खुशी और गर्व की बात है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''विश्व के सबसे बड़े पुष्प 'मंडल' और सरदार वल्लभभाई पटेल जी के विश्व के सबसे बड़े पुष्प चित्र के साथ, अहमदाबाद पुष्प प्रदर्शनी ने लगातार तीसरे वर्ष विश्व कीर्तिमान की हैट्रिक बनाई है।'' आगंतुकों के समक्ष भारतीय त्योहारों, शास्त्रीय नृत्य शैलियों, पौराणिक कथाओं, महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं, खेल सहित अन्य विषयों पर आधारित प्रभावशाली पुष्प आकृतियां प्रदर्शित किए जाने की उम्मीद है। बच्चों के लिए एक अलग जोन भी निर्धारित किया गया है, जिसमें भविष्य की बुनियादी ढांचा योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

महाराष्ट्र में केवल मराठी भाषा अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं।

सतारा में 99वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए फडणवीस ने यह भी कहा कि फ्रेंच और स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाओं का खुले दिल से स्वागत करते हुए अन्य भारतीय भाषाओं का विरोध करना गलत है।

पिछले साल, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शुरू करने के अपने फैसले को तीव्र विरोध प्रदर्शनों के बाद रद्द कर दिया और इस मुद्दे की जांच के लिए एक समिति का गठन किया।

फडणवीस ने अपने भाषण में उल्लेख किया कि भाषा की अनिवार्यता का मुद्दा व्यापक रूप से बहस का विषय बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री के तौर पर मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है। कोई अन्य भाषा अनिवार्य नहीं है। हालांकि, तीन-भाषा प्रणाली को लेकर मतभेद थे। छात्रों को अपनी पसंद की कोई भी भारतीय भाषा सीखने की स्वतंत्रता है। सवाल सिर्फ यह था कि तीसरी भाषा किस कक्षा से शुरू की जानी चाहिए।''

विवाद का जिक्र करते हुए फडणवीस ने कहा कि महाविकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार के दौरान तैयार की गई एक रिपोर्ट में पहली कक्षा से ही हिंदी को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की गई थी और उनकी सरकार ने शुरू में इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा, लेकिन पहली कक्षा से ही (हिंदी) भाषा को अनिवार्य बनाने को लेकर व्यापक बहस और विरोध हुआ, इसलिए नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हालांकि, मैं यह दोहराना चाहूंगा कि महाराष्ट्र में केवल मराठी ही अनिवार्य है, कोई अन्य भाषा नहीं।'' उन्होंने कहा, ''मैं खेदपूर्वक यह भी कहना चाहूंगा कि हम अंग्रेजी, फ्रेंच और स्पेनिश जैसी भाषाओं का खुले दिल से स्वागत करते हैं... इन भाषाओं के प्रति हमारा रुख सकारात्मक है क्योंकि ये अंतरराष्ट्रीय भाषाएं हैं। लेकिन भारतीय भाषाओं का विरोध करते हुए अंतरराष्ट्रीय भाषाओं का स्वागत करना अनुचित है। मेरा मानना है कि हमारी भारतीय भाषाओं को भी वही सम्मान मिलना चाहिए, और यही हमारा रुख है।''

एसआईआर के दौरान अभी तक शहरी क्षेत्रों में जनगणना प्रपत्रों का संग्रह 'काफी कम'

नई दिल्ली/भाषा। देश के नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं से जनगणना प्रपत्रों का संग्रह ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 'काफी कम' रहा। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने शुक्रवार को उपलब्ध रुझानों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदाताओं द्वारा भरे हुए जनगणना प्रपत्रों को वापस न करने का सबसे संभावित कारण यह है कि वे काम या पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण घर पर उपलब्ध नहीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगातार प्रवास को भी प्रपत्र संग्रह में कमी का एक अन्य कारण माना जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा जनगणना प्रपत्रों का संग्रह शहरी क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक रहा है। अधिकारियों ने बताया कि लखनऊ, कानपुर और नोएडा उन शहरों में शामिल हैं, जहां प्रपत्र संग्रह 'काफी कम' रहा।

राज्यपाल ने नशामुक्त हिमाचल के लिए संकल्प का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने शुक्रवार को लोगों से न केवल स्वयं नशे से दूर रहने का संकल्प लेने का आग्रह किया बल्कि दूसरों को भी मादक पदार्थों के सेवन से हतोत्साहित करने का अनुरोध किया। राज्यपाल बृहस्पतिवार रात 'शिमला विंटर कार्निवल' के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि राज्य में बढ़ते मादक द्रव्यों के दुरुपयोग को रोकने के लिए एकजुट और निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए।

शुक्ला ने नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए राज्य के लोगों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि शिमला शीतकालीन कार्निवल, हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और प्रसिद्ध आतिथ्य सत्कार का जीवंत प्रतिबिंब बन गया है। इस प्रकार के उत्सवों से जुड़ी व्यापक जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि जागरूकता और सामूहिक संकल्प युवा पीढ़ी को नशे से बचाने की कुंजी हैं, उन्होंने समाज से स्वस्थ, नशामुक्त हिमाचल प्रदेश के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने शिमला नगर निगम और आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि सांस्कृतिक उत्सव और सामाजिक जागरूकता का यह सफल संगम (कार्निवल) अब शिमला और प्रदेश की एक सुदृढ़ सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

मेट्रो स्टेशन के नाम प्रमुख गुरुद्वारों पर रखे जाएं : तरलोचन सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व सांसद तरलोचन सिंह ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर चार मेट्रो स्टेशनों का नाम उनके पास स्थित प्रमुख गुरुद्वारों के नाम पर रखने का आग्रह किया।

अपने पत्र में सिंह ने गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस मनाने और गुरु गोविंद सिंह के दो छोटे साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान को रेखांकित करने के लिए दिल्ली सरकार के प्रयासों की सराहना की। मेट्रो स्टेशनों के नाम को लेकर सरकार द्वारा निर्णय लिए जाने संबंधी खबरों का उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि ध्यान देने योग्य है कि राजधानी में अब तक किसी भी मेट्रो स्टेशन का नाम गुरुद्वारों पर नहीं रखा गया है।

पत्र के अनुसार, जिन चार गुरुद्वारों का उल्लेख किया गया है, उनमें चांदनी चौक के निकट गुरुद्वारा सीस गंज, बाबा खड़क सिंह मार्ग पर गुरुद्वारा बंगला साहिब, ओल्ड जीटी रोड पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ और धौला कुआं रिंग रोड के पास गुरुद्वारा मोती बाग शामिल हैं। पूर्व कांग्रेस सांसद ने इन गुरुद्वारों के ऐतिहासिक और पर्यटन महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां सभी धर्मों के लोग और पर्यटक आते हैं तथा आग्रह किया कि इनके समीप स्थित मेट्रो स्टेशनों का नाम तदनुसार रखा जाए।

हरियाणा का लिंगानुपात 2025 में बढ़कर 923 हुआ, पिछले पांच वर्षों में सर्वाधिक

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा में लिंग अनुपात में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जो 2025 में 923 तक पहुंच गया। यह 2024 के मुकाबले 13 अंकों की वृद्धि दर्शाता है। प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण और अवैध गर्भपात को रोकने के लिए उठाए गए कदमों को इस उपलब्धि का कारण बताया जा रहा है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि हरियाणा में लिंग अनुपात (एसआरबी) 2025 में 923 दर्ज किया गया, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। वर्ष 2024 में यह 910 था।

आंकड़ों के अनुसार, 2025 में राज्य में 5,19,691 बच्चों का जन्म हुआ - जिनमें 2,70,281 लड़के और 2,49,410 लड़कियां थीं, जबकि 2024 में 5,16,402 बच्चों का जन्म हुआ जिनमें 2,46,048 लड़कियां थीं।

अधिकारियों ने एसआरबी में सुधार का श्रेय राज्य सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को दिया, जिनमें हरियाणा में लिंग-चयनित गर्भपात और गर्भावस्था समाप्ति (एमटीपी) किट की अवैध बिक्री के खिलाफ कार्रवाई शामिल है।

आंकड़ों के अनुसार, 2025 में लिंग अनुपात पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक था। हरियाणा का लिंग अनुपात 2019 में 923 था, जो 2020 में मामूली रूप से घटकर 922 हो गया तथा फिर 2021 में और घटकर 914 रह गया।

इंदौर दूषित जल मामले में मध्यप्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों से माफी मांगे : उमा भारती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने इंदौर में दूषित पेयजल से उल्टी-दस्त के प्रकोप के मामले में शुक्रवार को राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पीड़ित परिवारों से माफी मांगने और दोषियों को 'अधिकतम दंड' लगाने की मांग की। उन्होंने इसे 'पाप' क़रार दिया और कहा कि इसके लिए राज्य सरकार को 'घोर प्रायश्चित' करना होगा।

स्थानीय नागरिकों ने इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में हुई इस घटना में छह माह के बच्चे समेत 15 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। हालांकि, इस दावे की स्वास्थ्य विभाग ने पुष्टि नहीं की है। विभाग के मुताबिक इस प्रकोप में केवल चार लोगों की मौत हुई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता भारती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें हमारे प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गईं।'' उन्होंने कहा कि राज्य के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार प्राप्त करने वाले इंदौर में 'इतनी बदसूरती, गंदगी, जहर मिला पानी' जो कितनी जिंदगियों को निगल गया, निगलता जा रहा है और मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा,''जिंदगी की कीमत दो लाख रुपए नहीं होती क्योंकि उनके परिजन जीवन भर दुःख में डूबे रहते हैं। सरकार को इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा, पीडितों से माफी मांगनी होगी और नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं उन्हें अधिकतम दंड देना होगा।'' उन्होंने कहा,''यह मोहन यादव जी की परीक्षा की घड़ी है।''

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर में दूषित पेयजल से उल्टी-दस्त के प्रकोप मामले में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए, जिनमें एक अपर आयुक्त का शहर से तत्काल तबादला किए जाने का कदम शामिल है।

गिग अर्थव्यवस्था को कम नियमन की जरूरतः एटर्नल संस्थापक दीपिंदर गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

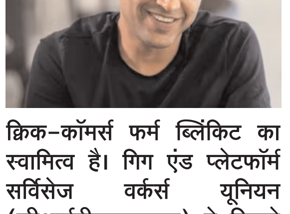

नई दिल्ली/भाषा। एटर्नल के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने शुक्रवार को भारत की गिग अर्थव्यवस्था के लिए कम नियमन की वकालत की। उन्होंने तर्क दिया कि इससे अधिक लोगों को संगठित कार्यबल में लाने में मदद मिलेगी। उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया, जब गिग श्रमिकों के संगठन बेहतर भुगतान और कामकाजी परिस्थितियों में सुधार की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

गोयल ने 10 मिनट में डिलीवरी का भी बचाव किया और कहा कि यह उपयोगकर्ता के घर के नजदीक स्टोर होने की वजह से संभव हो पाता है, न कि 'डिलीवरी साझेदार से तेज वाहन चलाने को कहने' की वजह से। एटर्नल के पास खाद्य आपूर्ति कंपनी जोमैटो और क्विक-कॉमर्स फर्म ब्लिंकिट का स्वामित्व है। गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विसेज वर्कर्स यूनियन (जीआईपीएसडब्ल्यूयू) ने पिछले महीने श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर कई मुद्दे उठाए थे। इनकी प्रमुख मांग थी कि कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए 1020 मिनट में सामान पहुंचाने की अनिवार्यता को तुरंत खत्म किया जाए। नवंबर में सरकार ने सभी चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया, जिससे बड़े सुधार लागू हुए। इनमें गिग श्रमिकों के लिए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज भी शामिल है।

नए साल की पूर्व संध्या पर गिग श्रमिकों की यूनियनों की हड़ताल के एक दिन बाद एटर्नल के संस्थापक ने देश के गिग श्रमिकों से जुड़े मुद्दों पर बहस को लेकर एक्स पर कई पोस्ट किए। इस हड़ताल का खाद्य आपूर्ति और क्विक कॉमर्स कंपनियों के संचालन पर नगण्य असर पड़ा।

गोयल ने कहा, ''मैं दोहराता हूं - गिग वर्क भारत में संगठित रोजगार सृजन के सबसे बड़े इंजनों में एक है। हम बीमा, निष्पक्ष, समय पर वेतन देते हैं।'' उन्होंने कहा, ''गिग को और अधिक नियमन की जरूरत नहीं है, बल्कि कम नियमन की जरूरत है। इससे अधिक लोग इस दायरे में आएंगे। कुछ पैसा कमा पाएंगे। खुद को कौशलयुक्त बना पाएंगे और बाद में भारत के संगठित कार्यबल में शामिल हो सकेंगे। इसके अलावा, वे नियमित रूप से अपने बच्चों को स्कूल भेज सकेंगे''

अदाणी ग्रीन ने गठित की नई इकाई एई5एल, सौर और पवन ऊर्जा क्षेत्र में करेगी काम

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने एक जनवरी 2026 को अपनी अनुषंगी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग इलेवेन लिमिटेड की इकाई अदाणी इकोजेन फाइव लिमिटेड (एई5एल) का गठन किया है। यह सौर और पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली का उत्पादन करेगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एई5एल भारत में स्थापित की गई है और इसे एक जनवरी को अहमदाबाद स्थित कंपनी पंजीयक में पंजीकृत किया गया है। कंपनी ने अभी तक अपने व्यावसायिक संचालन शुरू नहीं किए हैं। कंपनी ने कहा, हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग इलेवन लिमिटेड (एआरईएच11एल) ने एक जनवरी 2026 को अदाणी इकोजेन फाइव लिमिटेड का गठन किया। एई5एल का मुख्य उद्देश्य पवन, सौर या अन्य नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग करके बिजली का उत्पादन, वितरण, पारेषण, बिक्री और आपूर्ति करना है। एजीईएल की पूर्ण अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग इलेवन लिमिटेड के पास एई5एल की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी है।

रेलवे के लिए व्यवहार्य ऊर्जा समाधान प्रदान करती है परमाणु ऊर्जा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि छोटे और मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर एआई-आधारित अर्थव्यवस्था तथा रेलवे के लिए डेटा केंद्रों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए व्यवहार्य और व्यावहारिक समाधान प्रदान करते हैं। रेल मंत्री ने कहा कि भारत में बदलाव के लिए परमाणु ऊर्जा के सतत दोहन और विकास (शांति) विधेयक के पारित होने से देश भविष्य की नई अर्थव्यवस्था के लिए तैयार हो गया है।

वैष्णव ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, ''जैसे-जैसे दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना रही है, डेटा केंद्र एआई-आधारित अर्थव्यवस्था को शक्ति प्रदान करेंगे। इन डेटा केंद्रों को भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होगी, जो केवल परमाणु ऊर्जा से ही प्राप्त की जा सकती है।'' मंत्री ने कहा कि परमाणु ऊर्जा ही एकमात्र ऐसा स्रोत है जो बिना किसी प्रदूषण के सतत आधार भार और भारी विद्युत धारा प्रदान कर सकती है। वैष्णव ने कहा कि नए डिजाइन से कंटेनर में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना संभव हो जाता है, जिसे 14 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जहाजों को बिजली देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 15-30 मेगावाट क्षमता वाले परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का उपयोग रेलवे परिचालन के लिए भी किया जा सकता है। वैष्णव ने कहा, ''रेलवे देश भर में 700 स्थानों पर ग्रिड से बिजली लेता है। छोटे और मॉड्यूलर रिएक्टरों को भी बिजली के एक स्थायी स्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में कई अंतर्निहित सुरक्षा विशेषताएं हैं जो उनके बड़े पैमाने पर उपयोग को संभव बनाती हैं। वैष्णव ने कहा, ''शांति विधेयक इसलिए पारित किया गया ताकि परमाणु ऊर्जा स्वच्छ ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत बन सके।'' निजी क्षेत्र की कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की अनुमति देने वाला शांति विधेयक पिछले महीने शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शांति अधिनियम को अपनी मंजूरी दे दी है।

सरकार ने 7,295 करोड़ रुपए के निर्यात पैकेज की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को निर्यातकों की ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाने के लिए 7,295 करोड़ रुपए के निर्यात सहायता पैकेज की घोषणा की। इसमें 5,181 करोड़ रुपए की ब्याज सहायता योजना और निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपए का गारंटी समर्थन शामिल है।

दोनों उपाय छह वर्षों (2025-31) में लागू किए जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव अजय भादू ने कहा कि ये कदम निर्यातकों की व्यापार वित्त से जुड़ी समस्याओं का समाधान करेंगे।

ब्याज सहायता योजना के तहत निर्यातकों को निर्यात से पहले और निर्यात के बाद ऋण पर सब्सिडी मिलेगी। यह नवंबर 2025 में स्वीकृत 25,060 करोड़ रुपए के निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) का दूसरा घटक है। पहला घटक 31 दिसंबर, 2025 को लागू किया गया था, जिसमें 4,531 करोड़ रुपए के परिव्यय वाला बाजार पहुंच समर्थन दिया गया था।

प्रतिकूल वैश्विक व्यापार परिस्थितियों के बीच सहायता योजना से चिन्हित क्षेत्रों के निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी दरों पर ऋण पाने में मदद मिलेगी। योजना के तहत सरकार पात्र एमएसएमई निर्यातकों को 2.75 प्रतिशत तक की सब्सिडी लाभ देगी। प्रति कंपनी वार्षिक लाभ की सीमा 50 लाख रुपए तय की गई है। इस योजना के विस्तृत दिशानिर्देश भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना के लिए कार्यान्वयन एजेंसी आरबीआई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सहायता दरों की घरेलू और वैश्विक मानकों के आधार पर मार्च और सितंबर में छमाही आधार पर समीक्षा की जाएगी। योजना के विस्तृत दिशानिर्देश आरबीआई द्वारा जारी किए जाएंगे, जो डीजीएफटी के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी है। मंत्रालय ने कहा कि एक पायलट चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन से मिले सुझावों के आधार पर सुधार की गुंजाइश होगी। सरकार ने निर्यात ऋण के लिए 2,114 करोड़ रुपए की गारंटी सहायता की भी घोषणा की है। इसके तहत, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को निर्यात से जुड़े कार्यशील पूंजी ऋण के लिए ऋण गारंटी सहायता प्रदान की जाएगी। इस उपाय के तहत प्रति फर्म अधिकतम 10 करोड़ रुपए तक की जमानत गारंटी उपलब्ध कराई जाएगी। सूक्ष्म और छोटे निर्यातकों के लिए 85 प्रतिशत तक और मध्यम निर्यातकों के लिए 65 प्रतिशत तक की गारंटी कवरेज उपलब्ध होगी।

जब 'बुरे पड़ोसियों' की बात आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश भारत में आतंकवाद फैलाना जारी रखता है, तो वह नयी दिल्ली से पानी साझा करने की मांग नहीं कर सकता। साथ ही जयशंकर ने कहा कि अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 महामारी के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो। विदेश मंत्री ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

चेन्नई में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईआईटी) मद्रास के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए जयशंकर ने कहा, भारत की प्रगति इस क्षेत्र के लिए एक सकारात्मक लहर है और हमारे अधिकांश पड़ोसी मानते हैं कि भारत की प्रगति से उनका भी विकास होता है। लेकिन जब आतंकवाद फैलाने वाले बुरे पड़ोसियों की बात आती है, तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है और वह हर संभव कदम उठाएगा। आप हमारे देश में आतंकवाद फैलाना जारी रखते हुए हमसे पानी साझा करने का अनुरोध नहीं कर सकते। विदेश मंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति से बचने के लिए अन्य देशों के साथ संवाद करना जरूरी है, जिसमें भारत के इरादों को गलत तरीके से समझा जाए। उन्होंने कहा, लोगों को आपको गलत समझने से रोकने का तरीका है संवाद करना। अगर आप अच्छी तरह, स्पष्ट रूप से और ईमानदारी से संवाद करते हैं, तो अन्य देश और अन्य लोग इसका सम्मान करते हैं और इसे स्वीकार करते हैं।

जयशंकर ने कहा, दुनिया भर में बहुत से लोग अपनी संस्कृति, परंपरा और विरासत पर गर्व करते हैं। मुझे कोई कारण नजर नहीं आता कि हमें ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि प्राचीन सभ्यताओं में से वास्तव में बहुत कम ऐसी हैं, जो प्रमुख आधुनिक राष्ट्र के रूप में उभर पाईं और भारत उनमें से एक है।

जयशंकर ने कहा, हमें अपने अतीत की ऐसी समझ है, जो बहुत कम देशों के पास है... लोकतांत्रिक राजनीतिक मॉडल अपनाने के हमारे फैसले ने ही लोकतंत्र के विचार को एक सार्वभौमिक राजनीतिक अवधारणा बना दिया। उन्होंने कहा, अगर हमने वह रास्ता नहीं अपनाया होता, तो लोकतांत्रिक मॉडल, जैसा कि हम जानते हैं, क्षेत्रीय और संकीर्ण होता... पश्चिम के साथ साझेदारी भी अहम है और इसी तरह हम दुनिया को आकार देते हैं।

जयशंकर ने कहा कि वह भारत की ओर से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दो दिन पहले ही ढाका गए थे। उन्होंने कहा, लेकिन व्यापक रूप से, पड़ोसियों के प्रति हमारा रुख व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित है। अच्छे पड़ोसियों के मामले में भारत निवेश करने, मदद देने और साझा करने में कभी पीछे नहीं हटता, फिर चाहे वह कोविड-19 के दौरान टीके हों, यूक्रेन संघर्ष के दौरान ईंधन एवं खाद्य सहायता हो या श्रीलंका को उसके वित्तीय संकट के दौरान दी गई चार अरब अमेरिकी डॉलर की वित्तीय मदद हो।

जयशंकर ने आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' की भी शुरुआत की, जो आईआईटी मद्रास की एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल है, जिसका मकसद संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक नेटवर्क वाले केंद्र के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि देशों ने घरेलू स्तर पर विकास करके और फिर विदेश में संबंध स्थापित करके प्रगति की है, जिससे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य से लाभ हासिल किया जा सके। जयशंकर ने कहा, जब हम वसुधैव कुटुंबकम' की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह है कि हमने दुनिया को कभी भी शत्रुतापूर्ण या प्रतिकूल स्थान नहीं माना, जिससे हमें खुद को बचाना पड़े। हमारे संसाधन सीमित हैं। सीमित संसाधनों के साथ आप अधिकतम प्रभाव कैसे डाल सकते हैं? वास्तव में यही वह समस्या है, जिसका समाधान तलाशना है। उन्होंने कहा, आज भारतीय विदेश नीति और कूटनीति में हम जो करने की कोशिश कर रहे हैं, वह है उस समस्या का समाधान तलाशना। हम अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए और अन्य संस्थानों एवं संभावनाओं का लाभ उठाते हुए ऐसा करने का प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस ने वाइको के समानता मार्च का बहिष्कार किया, स्टालिन का मादक पदार्थ नेटवर्क के खात्मे का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सहयोगियों की साल की पहली सियासी जुटान का शुक्रवार को बहिष्कार किया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तिरुचिरापल्ली से एमडीएमके प्रमुख वाइको के समानता मार्च की शुरुआत के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया था।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने दस दिवसीय पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी का नेटवर्क व्यापक है और इसने युवाओं पर बुरा असर डाला है। उन्होंने केंद्र और राज्यों से बंदरगाहों एवं अन्य प्रवेश मार्गों पर मादक पदार्थों की तस्करी को खत्म करने के लिए समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वापेरुंथगई ने कार्यक्रम में दिवंगत लिट्टे नेता वी प्रभाकरन की तस्वीर की मौजूदगी का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी इस पदयात्रा को रवाना करने से जुड़े कार्यक्रम में शामिल नहीं होगी।

तिरुची शहरी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रेक्स ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि उनकी पार्टी ने आज के कार्यक्रम का बहिष्कार किया है। हालांकि, द्रमुक के अन्य सहयोगी दलों के नेता, जैसे कि वीसीके प्रमुख टी तिरुमावलवन और आईयूएमएल नेता खादर मोइदीन ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राज्य सरकार में मंत्री केएन नेहरू और अंबिल महेश पोय्यामोझी भी मुख्यमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

स्टालिन ने कहा, ''मादक पदार्थ की तस्करी का एक बड़ा नेटवर्क है। राज्यों और केंद्र, दोनों को बंदरगाहों के माध्यम से प्रवेश मार्गों पर ही नशीले पदार्थों की खेप को खत्म करने के लिए समन्वित कदम उठाने चाहिए।''

विधानसभा चुनाव से पहले वाइको के राजनीतिक अभियान के तहत आयोजित दस दिवसीय ''समथुवा नाडाई पयानम' का उद्देश्य सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना और मादक पदार्थों एवं शराब के सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। लगभग 175 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यह यात्रा 12 जनवरी को मदुरै में समाप्त होगी। वाइको ने कहा कि यह समानता पदयात्रा इस बात पर प्रकाश डालने के लिए है कि तमिलनाडु में जाति और धार्मिक संघर्षों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पदयात्रा का मकसद एक नशामुक्त समाज का निर्माण करना है।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आईआईटीएम ग्लोबल का शुभारंभ किया

चेन्नई। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 2 जनवरी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के परिसर में एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पहल 'आईआईटीएम ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन' का शुभारंभ किया। यह शुभारंभ आईआईटी मद्रास के विश्व का पहला बहुराष्ट्रीय विश्वविद्यालय बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो संस्थान को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक वैश्विक स्तर पर जुड़े केंद्र के रूप में स्थापित करता है। डॉ. एस. जयशंकर ने 'आईआईटीएम फेस्टिवल फोर्टनाइट' का भी उद्घाटन किया, जिसमें ओपन हाउस शामिल है, जिसके माध्यम से जनता को आईआईटीएम की प्रयोगशालाओं और नवाचार केंद्रों तक पहुंच प्रदान की जाती है, साथ ही शास्त्र, वार्षिक तकनीकी उत्सव और सारंग, वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव भी शामिल हैं। शास्त्र 2026 का आयोजन 2 से 6 जनवरी तक किया जा रहा है, जबकि सारंग 2026 का आयोजन 8 से 12 जनवरीतक किया जाएगा।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामाकोटी, आईआईटी मद्रास के डीन (ग्लोबल एंगेजमेंट) प्रोफेसर रघुनाथन रंगास्वामी और आईआईटी मद्रास ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन के सीईओ माधव नारायण ने संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, छात्रों और अन्य हितधारकों के साथ इस शुभारंभ को देखा। डॉ. एस. जयशंकर ने भी कार्यक्रम के दौरान एक अनौपचारिक चर्चा में भाग लिया।

श्रीलंका नौसेना ने 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ने के आरोप में 11 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी एक नौका भी जब्त की गई है। देश की नौसेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने 'पीटीआई' को बताया कि मछुआरों को उत्तरी प्रांत में कंकेसंथुरई के उत्तर में बृहस्पतिवार देर रात को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, वे क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे और क्षेत्र छोड़ने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद मछली पकड़ना जारी रखा। नौसेना के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद मछुआरों को अग्रिम कार्रवाई के लिए म्यलाडी मत्स्य निरीक्षणालय लाया जा रहा है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका संबंधों में एक संवेदनशील विषय रहा है। ऐसी अधिकतर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं, जो तमिलनाडु और श्रीलंका के उत्तरी छोर के बीच स्थित एक संकरी जलपट्टी है और दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मत्स्य क्षेत्र मानी जाती है।

तमिलनाडु को 2025 में 2.07 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धताएं मिलीं : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने कहा कि तमिलनाडु ने 2025 में कई कंपनियों के साथ कुल 270 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें 2.07 लाख करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धताएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) से राज्य में रोजगार के चार लाख से अधिक अवसर सृजित होने की उम्मीद है। राजा ने 2025 में हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, ''द्रविड़ मॉडल के लिए 2025 एक और शानदार वर्ष रहा। 2025 में 270 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए जिनमें कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता शामिल है। इनसे रोजगार के चार लाख से अधिक नए अवसर सृजित होंगे।''

मंत्री ने साथ ही कहा कि 2025 में राज्य को बीआरएपी (व्यापार सुधार कार्य योजना) के तहत शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वाले राज्य के रूप में सम्मानित किया गया और 'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा व्यापार करने में आसानी के मामले में इसे पहला स्थान दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य ने औद्योगिक ऊर्जा दक्षता में भी शीर्ष स्थान हासिल किया है जिसमें एसईईआई (राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक) 2024 का स्कोर 55.3 प्रतिशत रहा है।

राजा ने कहा कि सुनियोजित एवं लक्षित कदमों के साथ तमिलनाडु में औद्योगिक वृद्धि 2026 में नए आयाम स्थापित करने और नई ऊंचाइयों को छूने के लिए पूरी तरह तैयार है।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सूचना एवं प्रसारण (आई एंड बी) और संसदीय कार्य मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने शुक्रवार को चेन्नई के दूरदर्शन केंद्र में सरकार के आधिकारिक कैलेंडर 'भारत 2026' के तमिल संस्करण का अनावरण किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह कैलेंडर 2047 में एक विकसित भारत और वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में भारत की यात्रा को दर्शाता है। इससे पहले, महानिदेशक (दक्षिण क्षेत्र), प्रभारी वी. पलानीचामी ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के निदेशक जे. कामराज ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सभी लेन-देन वैध तरीके से किए गए थे : ईडी की पूछताछ पर अभिनेता जयसूर्या ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। धन शोधन जांच के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मलयालम फिल्म अभिनेता जयसूर्या एवं उनकी पत्नी सरिता से पूछताछ किए जाने के बाद अभिनेता ने शुक्रवार को कहा कि उनके सभी वित्तीय लेन-देन वैध हैं। जयसूर्या और उनकी पत्नी से ईडी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत पूछताछ की। यह पूछताछ ऑनलाइन निवेश योजना 'सेव बॉक्स' से जुड़ी जांच के तहत हुई। इस योजना का कथित संचालन स्वाति रहीम करती थीं जिनके खिलाफ ठगी के कई मामले दर्ज हैं। ईडी इस योजना से संबंधित कथित धन शोधन की जांच कर रही है और जांच में जयसूर्या से जुड़े वित्तीय लेन-देन का पता चला। जयसूर्या को इस योजना का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया था।

जयसूर्या ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, हम कैसे अनुमान लगा सकते हैं कि विज्ञापनों के लिए हमारे पास आने वाले लोग भविष्य में क्या करेंगे? अभिनेता ने कहा कि उन्होंने केवल वैध लेन-देन किए हैं और कहा, ''मैं एक साधारण, जिम्मेदार नागरिक हूं। मैंने सभी नियमों का पालन किया और सरकार को कर चुकाया।'' जयसूर्या ने कहा कि समन मिलने के बाद वह पहली बार 24 दिसंबर को ईडी के सामने पेश हुए थे। इस संबंध में एक और समन मिलने के बाद वह 29 दिसंबर को अपनी पत्नी के साथ फिर से ईडी के समक्ष पेश हुए थे। हालांकि, उन्होंने उन रिपोर्ट का खंडन किया जिनमें कहा गया था कि उन्हें सात जनवरी को एजेंसी के सामने फिर से पेशी के लिए नया समन मिला है।

उन्होंने कहा, ''हमें सात जनवरी को ईडी के सामने पेशी के संबंध में कोई समन नहीं मिला है।'' सूत्रों के अनुसार, ईडी ने शुरुआत में स्वाति रहीम का बयान दर्ज किया जिन्होंने कथित तौर पर जांच अधिकारियों को बताया कि निवेशकों से जुटाई गई राशि का कुछ हिस्सा फिल्म उद्योग में लगाया गया। एजेंसी ने पाया कि इन लेन-देन में 47 वर्षीय अभिनेता जयसूर्या भी शामिल थे। कहा जाता है कि रहीम ने ईडी को बताया कि योजना का ब्रांड एंबेसडर होने के नाते जयसूर्या को इस निवेश योजना का समर्थन करने के लिए कुछ पैसे दिए गए थे।

तिरुपति लड्डू विवाद : टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष को अंतरिम राहत देने से इनकार

तिरुपति/नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में मिलने वाले लड्डुओं में मिलावट के सिलसिले में कथित मानहानिकारक लेखों के खिलाफ तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। रेड्डी जून 2019 से अगस्त 2023 तक टीटीडी की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने प्रतिवादियों (कथित मानहानिकारक लेख प्रकाशित करने वाले संगठनों, प्रकाशकों और लेखकों) के खिलाफ अस्थायी रोक आदेश जारी करने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। रेड्डी ने अपनी याचिका में कहा था, प्रतिवादियों ने तिरुमाला में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के लिए घी की खरीद के मामले में वादियों पर भ्रष्ट आचरण का आरोप लगाते हुए मानहानिकारक बयान दिए हैं, जो हिंदू धर्म का पालन करने वाले सभी लोगों के लिए सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने 23 दिसंबर को पारित आदेश में कहा, यह जगजाहिर है कि एकतरफा अंतरिम निषेधाज्ञा केवल असाधारण परिस्थितियों में ही जारी की जा सकती है। एकतरफा अंतरिम निषेधाज्ञा का मतलब उन अदालती आदेशों से है, जो आपातकालीन स्थितियों में अपूरणीय क्षति को रोकने के लिए दूसरे पक्ष की दलीलें सुने बिना (एकतरफा) जारी किए जाते हैं। इनका उद्देश्य तत्काल, अल्पकालिक (अंतरिम) राहत प्रदान करना होता है। न्यायमूर्ति बंसल ने कहा, अदालत विवादित प्रकाशन/पोस्ट/लेख के सिलसिले में प्रतिवादियों के खिलाफ एकतरफा अंतरिम निषेधाज्ञा जारी करने की इच्छुक नहीं है।

तमिलनाडु में मानव-पशु संघर्ष रोकने में एआई तकनीक कारगर, हाथियों से जुड़ी घटनाओं में बड़ी कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की अतिरिक्त मुख्य सचिव (जलवायु परिवर्तन एवं वन) सुप्रिया साहू ने कहा कि राज्य में मानव-पशु संघर्षों को रोकने के लिए 'कृत्रिम मेधा (एआई) टूल्स' का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया है, जिससे जंगली हाथियों से जुड़ी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। साहू ने पीटीआई वीडियो' से कहा कि राज्य वन्यजीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी को एक साथ जोड़ रहा है।

उन्होंने कहा, मदुक्करे में रेलवे की पटरियों पर जंगली हाथियों की आकस्मिक मौत को रोकने के लिए 'एआई और मशीन लर्निंग' प्रौद्योगिकी लागू की गई हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में एआई और थर्मल सेंसर से लैस कैमरे लगाए गए हैं। साहू ने बताया कि इस पहल से क्षेत्र में हाथियों की मौतें लगभग शून्य के स्तर पर आ गई हैं, क्योंकि प्रणाली द्वारा तैयार स्वचालित अलर्ट वास्तविक समय में स्थानीय समुदायों, लोको पायलट (ट्रेन चालक) और वन विभाग की टीमों के साथ साझा किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का विस्तार नीलगिरि सहित अन्य क्षेत्रों में भी किया जा रहा है।

हाल में 2025 का संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) पुरस्कार प्राप्त करने वाली साहू ने कहा कि राज्य एक समर्पित 'क्लाइमेट स्टूडियो' के माध्यम से दीर्घकालिक जलवायु मॉडल भी विकसित कर रहा है। उन्होंने बताया, हम जलवायु परिवर्तन के दशकीय मॉडल तैयार कर रहे हैं और आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) मद्रास, अन्ना विश्वविद्यालय, गांधी देवदासन संस्थान तथा सीईईडब्ल्यू, डब्ल्यूआरआई और आईसीएलईआई जैसे संगठनों के साथ साझेदारी कर रहे हैं। इसके अलावा, हम यूएनईपी के साथ दिशानिर्देशों पर काम कर रहे हैं और शहरों में कूल रूफ' समाधान लागू कर रहे हैं। तटीय संरक्षण के बारे में साहू ने कहा कि राज्य सरकार विश्व बैंक के सहयोग से 'तमिलनाडु स्ट्रेंथनिंग कोस्टल रेज़िलिएंस एंड द इकोनॉमी' (टीएन-एचएसओआरई) परियोजना को लागू कर रही है, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक-ढाल विकसित करना और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान तटीय समुदायों की सुरक्षा करना है। उन्होंने कहा, हम मन्नार की खाड़ी में नए मैंग्रोव' क्षेत्र विकसित कर रहे हैं, मौजूदा 'मैंग्रोव' का पुनरुद्धार कर रहे हैं और समुद्री घास को बहाल कर रहे हैं।...ये सभी पहल स्थानीय समुदायों की भागीदारी से बड़े पैमाने पर प्रकृति-आधारित समाधानों के रूप में लागू की जा रही हैं।

साहू ने बताया कि लैंडफिल में कचरे के बोझ को कम करने के लिए घरेलू कचरे को अलग-अलग करने के प्रयास तेज किए हैं। नगर प्रशासन विभाग के साथ मिलकर स्रोत स्तर पर घरेलू कचरे को अलग-अलग करने की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में 70 से 75 से अधिक स्थानों पर पुराने कचरे का प्राकृतिक तरीके से निस्तारण किया जा चुका है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए दीर्घकालिक सतत समाधान विकसित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार कस्बों और ग्राम पंचायतों की क्षमता बढ़ाने व उन्हें पुनर्चक्रणक-र्ताओं से जोड़ने पर काम कर रही है।

टीवी अभिनेता की कार की टक्कर से घायल व्यक्ति की मौत

कोट्टायम। केरल के कोट्टायम में एक कार की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हुए एक लॉटरी विक्रेता की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि, यह कार कथित तौर पर टीवी धारावाहिक अभिनेता सिद्धार्थ प्रभु चला रहे थे। मृतक की पहचान तमिलनाडु निवासी थंकराज (60) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना क्रिसमस की पूर्व संध्या को कोट्टायम के एमसी रोड पर नट्टकम सरकारी कॉलेज जंक्शन के पास हुई थी। सड़क किनारे चल रहे थंकराज को प्रभु की कार ने टक्कर मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उसने बताया कि थंकराज को तुरंत कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान बृहस्पतिवार देर रात उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि जांच में सामने आया है कि दुर्घटना के समय अभिनेता शराब के नशे में थे और वाहन तेज गति से चलाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद सिद्धार्थ प्रभु की स्थानीय निवासियों के साथ बहस हुई थी, जो बाद में हाथापाई में बदल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभिनेता को हिरासत में लिया था। बाद में उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। चिंगवनम पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया है।

तमिलनाडु कांग्रेस विनाश के पथ पर अग्रसर : सांसद ज्योतिमणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि तमिलनाडु में उनकी पार्टी कुछ नेताओं के स्वार्थ के कारण धीरे-धीरे विनाश के पथ पर अग्रसर हो रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी जिस राह पर चल रही है वह पार्टी नेता राहुल गांधी की निस्वार्थ, सिद्धांतवादी और निडर राजनीति के बिल्कुल विपरीत है। उन्होंने कहा, ''हम उनकी मेहनत और अद्वितीय बलिदान को धोखा नहीं दे सकते।''

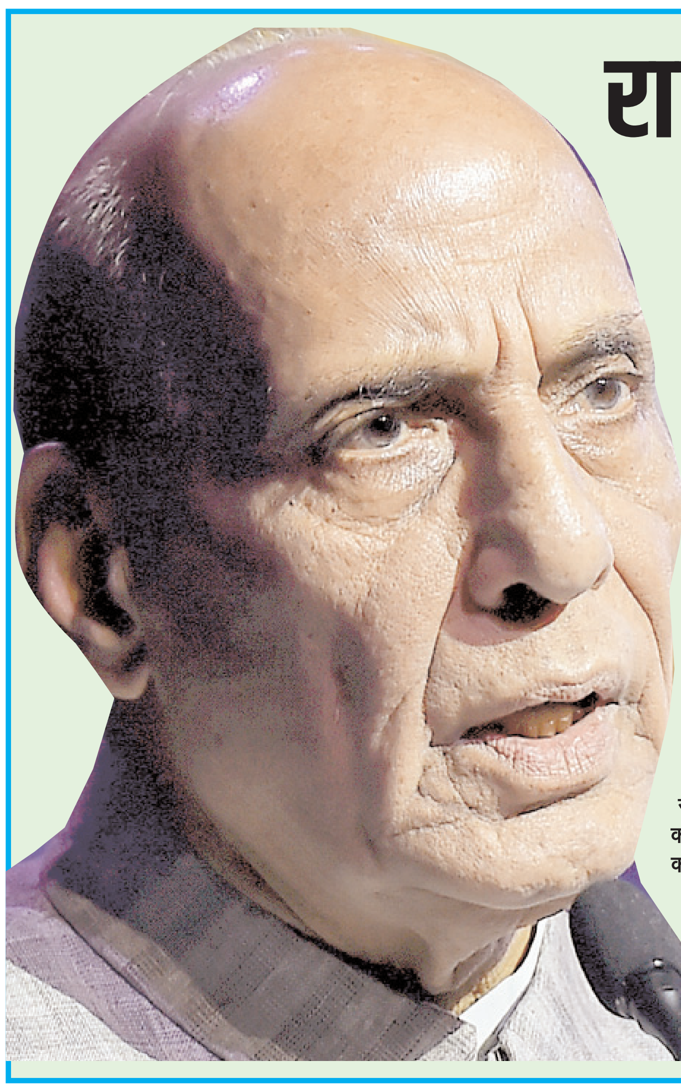

राजनाथ सिंह ने शिक्षित लोगों के देश-विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश में 'व्हाइट-कॉलर टेररिज्म' जैसी चिंताजनक प्रवृतियां सामने आ रही हैं जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं। सिंह ने दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार बम धमाके की ओर इशारा करते हुए यह बात कही जिसमें षडयंत्रकारी डॉक्टर थे। वह यहां भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी के स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा, धर्म और नैतिकता से विहीन शिक्षा समाज के लिए उपयोगी नहीं होती है तथा कभी-कभी यह घातक भी सिद्ध हो जाती है। शायद यही कारण है और बहुत बड़ी विडंबना है कि बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं।

उन्होंने कहा,आज 'व्हाइट कॉलर टेररिज़म' जैसी चिंताजनक प्रवृतियां देशवाशियों के सामने आ रही हैं, जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्होंने कहा,हाल में दिल्ली में 'बम विस्फोट' करने वाला कौन था? डॉक्टर थे। वरना जो डॉक्टर पर्चे पर हमेशा 'आरएक्स' लिखकर प्रस्क्रिप्शन लिखते हैं ... उन डॉक्टरों के हाथ में 'आरडीएक्स' हो? इसलिए आवश्यक है कि ज्ञान के साथ साथ संस्कार भी होना चाहिए। चरित्र भी होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री का कहना था कि शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण है। चरित्र को 'व्यापक परिप्रेक्ष्य' में देखा जाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल पेशेवर सफलता' नहीं है बल्कि सदाचार, नैतिकता और एक मानवीय व्यक्तित्व का निर्माण भी है। यही भारतीय शिक्षा दर्शन की मूल आत्मा है। इससे समाज में समरसता एवं शांति बढ़ती है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि हम भारतीय शिक्षा के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए उसे नए युग के साथ तालमेल बनाए रखने के लायक भी बनाएं।

उन्होंने कहा,प्रौद्योगिकी में बदलाव आ रहा है। उससे कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग तथा अन्य तकनीकी हमारे जीवन और काम करने के तरीके को पूरी तरह से बदल रही है। हमें इनका सकारात्मक इस्तेमाल करते हुए भारत के विकास को नई गति देनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत आज 'नॉलेज इकोनॉमी' के रूप में उभर रहा है तथा 2014 में 'ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स' में भारत की रैंकिंग 76 थी जो 2024 में 39 हो गयी है, यह दूरदर्शी सुधारों के कारण हुआ है। सिंह ने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है,'हम 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ आत्मविश्वास से बढ़ रहे है।'

सिंह ने यह भी कहा कि देश में कई रक्षा 'स्टार्टअप' करिश्माई काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा,मैं विश्वास से कह सकता हूं कि आने वाले 15-20 साल में हमारा भारत हथियारों के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन जायेगा। उन्होंने विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ साथ विनय, चरित्र एवं धर्मबोध पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'विद्या से वनिय आती है, विनय से योग्यता आती है, उससे समृद्धि, समृद्धि से धर्म और अंततः धर्म से ही सच्चा सुख मिलता है। कोई भी शिक्षा व्यवस्था जो ज्ञान के साथ विनय, चरित्र और धर्म बोध नहीं देती है उसे सफल नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कहा,मैं धर्म की बात कर रहा हूं तो उसको मंदिर में जाकर पूजा करना, मस्जिद में जाकर इबादत करना, गिरिजाघर में सजदा करना... इससे जोड़कर नहीं देखा जाना चाइये। मैं जिस धर्म की बात कर रहा है वह दायित्वबोध है, वह कर्तव्य चेतना है। दस नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर कार बम विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। उस कार को डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था। जांच में एक 'व्हाइट-कॉलर' आतंकी मॉड्यूल का खुलासा हुआ, जिसके बाद तीन डॉक्टरों - डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, डॉ. अदील अहमद राथर, डॉ. शाहीना सईद समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा,हम ऐसे समय में जी रहे है जहां ज्ञान, आंकड़े और सूचना की कमी नहीं है बल्कि विवेक की कमी है।...ज्ञान के सही उपयोग के लिए विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, आतंकवादी बिलकुल निरक्षर नहीं होते है। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय की अच्छी डिग्री लेने वाले भी आतंकवादी बन जाते हैं क्योंकि विवेक का अभाव है। इसलिए विवेक आवश्यक है। जिसके पास ज्ञान के साथ विवेक होगा वह समाजकल्याण का काम करेगा। जिसके पास ज्ञान तो होगा लेकिन विवेक नहीं होगा वह समाज के लिए विनाशकारी काम करेगा।

उन्होंने आत्म-सम्मान और अहंकार के बीच नाजुक संतुलन को समझने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा, जीवन में मन बड़ा करके रखना। छोटे मन से काम मत करना। मन को जैसे बड़ा करता जाओगे सुख उतना ही बढ़ता जायेगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया पर्यावरण, जनस्वास्थ्य और 'डिजिटल एथिक्स' से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रही है जिनका समाधान किसी एक ही 'तरीके' से नहीं किया जा सकता। उन्होंने सभी विधाओं के संयुक्त प्रयास से ऐसी समस्याओं का समाधान ढूंढने पर जोर दिया। सिंह ने कहा,शोध का अंतिम लक्ष्य सिर्फ जर्नल में पब्लिश होना नहीं हो सकता, इसका लक्ष्य धरातल पर परिवर्तन लाना होना चाहिए।

देश में 'व्हाइट-कॉलर टेररिज्म' जैसी चिंताजनक प्रवृतियां सामने आ रही हैं : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश में 'व्हाइट-कॉलर टेररिज्म' जैसी चिंताजनक प्रवृतियां सामने आ रही हैं जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं। सिंह ने दिल्ली में पिछले दिनों हुई घटना का जिक्र करते हुए यह बात कही जहां 'बम विस्फोट' करने वाला डॉक्टर था। वह यहां एक विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा, धर्म और नैतिकता से विहीन शिक्षा समाज के लिए उपयोगी नहीं होती है तथा कभी-कभी यह घातक भी सिद्ध हो जाती है। शायद यही कारण है और बहुत बड़ी विडंबना है कि बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं।

उन्होंने कहा,आज 'व्हाइट कॉलर टेररिज़म' जैसी चिंताजनक प्रवृतियां देशवाशियों के सामने आ रही हैं, जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्होंने कहा,हाल में दिल्ली में 'बम विस्फोट' करने वाला कौन था? डॉक्टर था। वरना जो डॉक्टर पर्चे पर हमेशा 'आरएक्स' लिखकर प्रस्क्रिप्शन लिखते हैं ... उन डॉक्टरों के हाथ में 'आरडीएक्स' हो? इसलिए आवश्यक है कि ज्ञान के साथ साथ संस्कार भी होना चाहिए। चरित्र भी होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री का कहना था कि शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण है। चरित्र को 'व्यापक परिप्रेक्ष्य' में देखा जाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल पेशेवर सफलता' नहीं है बल्कि सदाचार, नैतिकता और एक मानवीय व्यक्तित्व का निर्माण भी है। यही भारतीय शिक्षा दर्शन की मूल आत्मा है। इससे समाज में समरसता व शांति बढ़ती है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि हम भारतीय शिक्षा के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए उसे नए युग के साथ तालमेल बनाए रखने के लायक भी बनाएं।

उन्होंने कहा,प्रौद्योगिकी में बदलाव आ रहा है। उससे कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग तथा अन्य तकनीकी हमारे जीवन और काम करने के तरीके को पूरी तरह से बदल रही है। हमें इनका सकारात्मक इस्तेमाल करते हुए भारत के विकास को नई गति देनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत आज 'नॉलेज इकोनॉमी' के रूप में उभर रहा है तथा 2014 में 'ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स' में भारत की रैंकिंग 76 थी जो 2024 में 39 हो गयी है, यह दूरदर्शी सुधारों के कारण हुआ है।

सिंह ने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है,'हम 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ आत्मविश्वास से बढ़ रहे है।' उन्होंने कहा,मैं विश्वास से कह सकता हूं कि आने वाले 15-20 साल में हमारा भारत हथियारों के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन जायेगा।

प्रश्नपत्र लीक और आरपीएससी भ्रष्टाचार मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाए : मुख्यमंत्री

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त न करने' की नीति दोहराते हुए बृहस्पतिवार को प्रश्नपत्र लीक और पिछली सरकार के राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) भ्रष्टाचार मामलों के संबंध में सामने आए नए तथ्यों के मद्देनजर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, शर्मा ने ताजा घटनाक्रम का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिया कि मामले की जांच विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा की जाए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हो तो भ्रष्टाचार-रोधी ब्यूरो (एसीबी) को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। बयान के मुताबिक, ये निर्देश मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में आयोजित एक बैठक में जारी किए गए। बैठक में मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा और एसओजी और एसीबी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक करके युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, भले ही उनका प्रभाव या पद कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार से जुड़े प्रश्नपत्र लीक के मामलों में 340 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

अंग्रेजों ने हस्तकलाओं और घरेलू उद्योगों को नष्ट करने का कार्य किया ताकि देश सदा गुलाम बना रहे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में दृश्यकला विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महिला लोक कला शिविर का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आई कलाकारों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने हमारी हस्तकलाओं, चित्रकला आदि से जुड़े कुटीर और घरेलू उद्योग बंद किए। उन्होंने महात्मा गांधी का संदर्भ देते हुए कहा कि घरेलू उद्योग बंद कर लोगों को भूखे रहने पर इसलिए मजबूर किया गया कि देश की संस्कृति को जड़ से समाप्त कर दिया जाए और लोग सदा गुलाम बने रहें। राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजों को यह बात मालूम नहीं थी कि कपास से कपड़ा बनता है। भारत में आकर उन्होंने यह जाना। उन्होंने अजंता की चित्रकला का उल्लेख करते हुए कहा कि सातवीं सदी में हमारे यहां जहाज के चित्र मिले हैं। हमारे यहां ऐसी कलाकृतियां बनती थी, जिनके रंग कभी फीके नहीं पड़ते थे। उन्होंने कहा कि भारतीय कलाओं से प्रेरणा लेकर ही पश्चिम के देशों ने बहुत से आविष्कार किए, हमारी कला और कारीगरी को लूट ले गए पर हमारे पारंपरिक कलाकारों ने कलाओं को सदा जीवित रखा है। इसलिए पारंपरिक कलाओं को प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि लोक कलाएं और शिल्प स्थान विशेष की संस्कृति और जीवन को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान कलाओं का गढ़ रहा है। उन्होंने महिला चित्रकला और शिल्प शिविर को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे कला शिविर पारंपरिक कलाओं के संरक्षण के साथ इनसे जुड़ी आधुनिक कला दृष्टि से विद्यार्थियों को जोड़ते हैं। कार्यक्रम के आरम्भ में राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय महिला कला शिविर का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने कला शिविर के अंतर्गत लगाए गए लोक कला स्टॉल का भी अवलोकन किया। उन्होंने बिहार, ओडिसा, पश्चिम बंगाल आदि से आए लोक कलाकारों की कला के बारे में भी जानकारी ली। कला शिविर में देश के विभिन्न राज्यों की 32 महिला कलाकार भाग ले रहीं हैं।

डिजिटल फ्रेंडली इन्वेस्टमेंट डेस्टीनेशन बनेगा राजस्थान : मुख्य सचिव श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 के कार्यक्रम स्थल जेईसीसी सीतापुरा, जयपुर पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य समारोह एवं विभिन्न सत्रों के लिए निर्धारित हॉल सहित सम्पूर्ण आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य सचिव ने समस्त संबंधित नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर समिट के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को निश्चित समयावधि में पूरा कर आयोजन को ऐतिहासिक बनाया जाए।

मुख्य सचिव ने बताया कि डिजिफेस्ट में 6 जनवरी को राजस्थान रीजनल एआई इम्पेक्ट कॉन्फ्रेंस का भी आयोजन किया जाएगा। इस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान एआई/एमएल पॉलिसी-2026 को लॉन्च करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप डिजिफेस्ट को भव्य स्वरूप देने की तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राजस्थान में पहली बार बड़े स्तर पर आयोजित होने जा रहे इस समिट में शामिल होने वाले 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने बताया कि डिजिफेस्ट में 1200 से अधिक ग्लोबल कम्पनियों के फाउण्डर, सीईओ व निवेशकों सहित 20 से अधिक यूनिकॉर्न/सूनिकॉर्न स्टार्टअप्स के फाउण्डर शामिल होंगे। साथ ही, समिट में आयोजित हो रहे विभिन्न सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी।

श्रीनिवास ने कहा कि समिट में फ्रंटियर टेक्नोलॉजी, यूज ऑफ एआई सहित विभिन्न विषयों की प्रभावी जानकारी से सुशासन में तकनीक के प्रयोग में बढ़ोतरी होगी और प्रदेश में सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी और साइबर सिक्योर टेक्नोलॉजी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि डिजिफेस्ट के माध्यम से राजस्थान, आईटी सेक्टर के मेजर इंवेस्टर्स को आकर्षित करने में सफल रहेगा। साथ ही, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राजस्थान को एक डिजिटल फ्रेंडली इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन रूप में विकसित करने की परिकल्पना को भी साकार किया जा सकेगा।

शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि आयोजन स्थल पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में राजस्थान एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी लाई गई। इसी दिशा में कार्य करते हुए इस समिट में फिल्म फेस्ट, कॉमिकॉन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनसे प्रदेश को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी तथा निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे।

राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 के सफल आयोजन से प्रदेश बनेगा आईटी हब : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी एवं आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस सहित नए उभरते हुए क्षेत्रों में तेजी से अग्रसर हो रहा है। राज्य सरकार पिछले 2 वर्षों में एआई, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक चेन, क्लाउड कम्प्यूटिंग, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, एक्सटेंडेड रिएलिटी जैसे क्षेत्रों के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार करने के उद्देश्य से 4 नई नीतियां लेकर आई है। राजस्थान में मजबूत डिजिटल एवं डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए अब सरकार 4 से 6 जनवरी तक राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 का आयोजन करने जा रही है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन में योगदान देते हुए प्रदेश को आईटी-आईटीईएस हब बनाने के लिए लाई गई राजस्थान ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी-2025, राजस्थान -तत्रऋउ-दठ नीति-2024, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 और राजस्थान एआई एमएल पॉलिसी-2026 से प्रदेश में स्थानीय प्रतिभाओं को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही अर्थव्यवस्था को और तेज गति मिलेगी। जयपुर स्थित भामाशाह डेटा सेंटर 800 रैक वाला स्टेट ऑफ आर्ट टियर-4 डेटा सेंटर है। यह सरकारी स्वामित्व वाला देश का सबसे बड़ा डेटा सेंटर है।अब राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी-2025 का लक्ष्य प्रदेश में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित कर राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र का प्रमुख केन्द्र बनाना है।

पाकिस्तानी ड्रोन से हेरोइन की बड़ी खेप बरामद, श्रीगंगानगर सीमा पर 20 करोड़ की तस्करी नाकाम

श्रीगंगानगर। जिले की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की नापाक गतिविधियां लगातार जारी हैं। गुरुवार देर रात सीमा पर बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए करीब 20 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन जब्त की है। मामला पाकिस्तान की ओर से भेजे गए एक ड्रोन से जुड़ा है, जो भारतीय सीमा में घुसकर हेरोइन की खेप गिराने के बाद वापस लौटने का प्रयास कर रहा था, लेकिन सफल नहीं हो सका। ड्रोन श्रीगंगानगर जिले के रावला थाना क्षेत्र के गांव 15 केएनडी के पास सीमा से सटे खेत में गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बीएसएफ ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर ड्रोन को कब्जे में ले लिया।

कार्रवाई के दौरान तीन संदिग्ध व्यक्तियों को भी हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। अनूपगढ़ के सीओ प्रशांत कौशिक ने बताया कि ड्रोन से गिराए गए चार पैकेट बरामद किए गए हैं, जिनमें कुल चार किलोग्राम से अधिक हेरोइन पाई गई है। प्रारंभिक जांच में इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 करोड़ रुपये आंकी गई है। फिलहाल सभी पैकेट जब्त कर लिए गए हैं और पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आशंका है कि पंजाब से जुड़े ड्रग माफिया के गुर्गे इस खेप की डिलीवरी लेने के लिए इलाके में सक्रिय हो सकते हैं। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि ड्रोन उसी स्थान पर गिरा, जहां हेरोइन की खेप गिराई गई थी और उसे जब्त कर लिया गया है। बीएसएफ की मदद से आसपास के खेतों और संभावित इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ड्रोन की उड़ान दिशा, रूट और तकनीकी पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

देवनानी ने विधानसभा के लम्बित प्रश्रों के सम्बंध में मुख्य सचिव सहित अन्य अधिकारियों की विधानसभा में ली बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य विधानसभा प्रदेश की आठ करोड़ जनता की समस्याओं के समाधान का सशक्त प्लेटफार्म है तथा इसमें जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा जन समस्याओं के संबंध में उठाये जाने वाले मुद्दों के निराकरण की जिम्मेदारी हम सभी की है। अतः अधिकारी विधायकों के प्रश्नों के उत्तर देने के कार्य को गंभीरता से लें तथा अपने अन्य कार्यों के साथ विधानसभा के प्रश्नों का समय पर उत्तर भिजवाने के कार्य को प्राथमिकता दें जिससे राजस्थान विधानसभा जीरो पेंडेन्सी के साथ देश की आदर्श विधान सभा बनें।

देवनानी ने राज्य विधानसभा में लम्बित प्रश्नों, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख प्रस्तावों, आश्वासनों एवं याचिकाओं के संबंध में राज्य सरकार के मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की शुक्रवार को बैठक ली और ये निर्देश दिए।

देवनानी विभिन्न विभागों के अधिकारियों से रूबरू हुए और उनसे प्रश्नों के जवाब नहीं आने के कारणों की जानकारी भी ली। 15 जनवरी तक सभी लम्बित प्रश्नों, ध्यानाकर्षण और विशेष उल्लेख के प्रस्तावों के उत्तर भेजे - देवनानी ने विधानसभा के लम्बित प्रश्नों का समय पर जवाब नहीं आने पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि विधान सभा के आगामी बजट सत्र को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी तक सभी लम्बित प्रश्नों, ध्यानाकर्षण और विशेष उल्लेख के प्रस्तावों के उत्तर आवश्यक रूप से निर्धारित समय सीमा में भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हांलाकि विधानसभा में लम्बित प्रश्नों के जवाब आने के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुआ है लेकिन अभी भी इसे और अधिक गति दिये जाने की आवश्यकता है।

देवनानी ने बताया कि 16वीं विधान सभा के चौथे सत्र की समाप्ति के बाद अभी भी 35 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब आने बाकी हैं जिनकी संख्या करीब 2031 है। सभी प्रकार के प्रश्नों के उत्तर देने की विधान सभा द्वारा समय सीमा निश्चित की हुई है। ऐसे में विभिन्न विभागों द्वारा समय पर प्रश्नों का उत्तर नहीं भिजवाया जाना चिन्ता का विषय है।

कुछ विभाग प्रश्नों के जवाब निर्धारित समय सीमा में भिजवाने में गम्भीरता नहीं दिखा रहे हैं। ऐसे में अब किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जावेगी।

देवनानी ने प्रश्नों के गलत जवाब देने के मामलों को भी गम्भीरता से लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए की भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो। सदन में मंत्रियों द्वारा दिये जाने वाले आश्वासनों के मामलों को क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी संबंधित विभागों के सचिवों की है।

असम सरकार ने 'सत्र' के अविवाहित भिक्षुओं के लिए वित्तीय सहायता योजना शुरू की

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को राज्य के वैष्णव मठों यानी 'सत्र' में रहने वाले अविवाहित भिक्षुओं को 1,500 रुपए की मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक योजना की शुरुआत की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि इस कल्याणकारी पहल से कम से कम 620 'उदासीन भक्तों' (अविवाहित भिक्षुओं) को लाभ मिलेगा।

सीएमओ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज मान्यता प्राप्त 'सत्रों' के 'उदासीन भक्तों' के लिए एक नई कल्याणकारी पहल शुरू की, जो असम की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में उनके निरंतर योगदान का सम्मान करती है। बयान में कहा गया कि 620 'भक्तों' को मासिक सहायता प्रदान करने की यह पहल असम की सभ्यतागत विरासत को बनाए रखने वालों के प्रति राज्य सरकार की सम्मान और देखभाल की प्रतिबद्धता को दोहराती है। मुख्यमंत्री शर्मा ने भी 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि यह योजना उन 'भक्तों' का सम्मान करती है, जो अपना जीवन 'सत्रों' को समर्पित कर देते हैं।

योगी ने सभी विभागों को बजट खर्च में तेजी लाने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की।

बैठक में चालू वित्त वर्ष के दौरान विभागों के बजटीय प्रावधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटन, व्यय की प्रगति पर अधिक बजट प्रावधान वाले 20 विभागों की प्रस्तुति रखी गई। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने इन विभागों के प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की। उन्होंने सभी प्रमुख विभागों के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग समय से आवंटित बजट का इस्तेमाल करें

ताकि परियोजनाएं एवं योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने की सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि बजट व्यय की धीमी प्रगति वाले विभाग इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुरंत निर्णय लें। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है लिहाजा निर्णय लेने में तेजी दिखाएं। उन्होंने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने वित्त विभाग को निर्देश दिया कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को किसी कारणवश अब तक जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें।

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में खाद्य विषाक्तता से 200 तोतों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खरगोन/भाषा। मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में नर्मदा नदी के किनारे खाद्य विषाक्तता के कारण कम से कम 200 तोतों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बीते चार दिनों में बड़वाह क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बने एक्वाडक्ट पुल के पास तोते मृत मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बर्ड फ्लू की आशंका से इनकार किया गया है। जिला वन्यजीव वार्डन टोनी शर्मा ने बताया कि बचाव कार्य के दौरान कुछ तोते जीवित पाए गए थे लेकिन भोजन में मौजूद विषाक्तता इतनी अधिक थी कि वे कुछ ही देर बाद मर गए।

तोतों की मौत से इलाके में बर्ड फ्लू को लेकर दहशत फैल गई , हालांकि पशु चिकित्सा परीक्षण में संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले। वन विभाग ने एहतियात के तौर पर एक्वाडक्ट पुल के आसपास पक्षियों को भोजन कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है और वहां निगरानी के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि मृत पक्षियों के विसरा के नमूने आगे की जांच के लिए जबलपुर भेजे गए हैं। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, खाद्य विषाक्तता और अनुचित आहार के कारण तोतों की मौत हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर बीते चार दिनों से पशु चिकित्सा विभाग, वन विभाग और वन्यजीव शाखा की टीमें क्षेत्र की निगरानी कर रही हैं।

पोस्टमार्टम करने वाली पशु चिकित्सक डॉ. मनीषा चौहान ने बताया कि तोतों में 'फूड पॉइजनिंग' के लक्षण पाए गए हैं और बर्ड फ्लू से जुड़ा कोई संकेत नहीं मिला। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर अनजाने में पक्षियों को ऐसा भोजन खिला देते हैं जो उनके पाचन तंत्र के लिए घातक साबित होता है। पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी डॉ. सुरेश बघेल ने बताया कि मृत तोतों के पेट में चावल और छोटे कंकड़ पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्राथमिक तौर पर मौतें अनुचित भोजन से जुड़ी प्रतीत होती हैं। इसमें कीटनाशक छिड़के गए खेतों में दाना चुगने और नर्मदा नदी के पानी के सेवन जैसे कारण भी शामिल हो सकते हैं।

कुम्हरार पार्क के समग्र विकास के लिए केंद्र को पत्र लिखने का निर्देश : नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल कुम्हरार पार्क का निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसके समग्र विकास के लिए भारत सरकार को पत्र लिखने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुम्हरार पार्क मगध साम्राज्य से जुड़ा एक अत्यंत प्राचीन और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है जहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक, इतिहास के विद्यार्थी तथा शोधकर्ता आते हैं। उन्होंने कहा कि पार्क एवं संबंधित चीजों का बेहतर रखरखाव और सौंदर्यीकरण आवश्यक है, ताकि आगंतुकों को इस स्थल के इतिहास को समझने में अधिक सुविधा हो सके। मुख्यमंत्री ने पार्क परिसर में संरक्षित मगध कालीन स्तंभ अवशेषों का अवलोकन किया। उन्होंने बुलंदीबाग उत्खनन, कुम्हरार उत्खनन, मौर्यकालीन अस्सी स्तंभों वाले विशाल सभागार से संबंधित जानकारी बोर्डों को देखा। इसके अलावा, उन्होंने कृष्णदेव स्मृति सभागार स्थित पाटलिपुत्र दीर्घा में कुम्हरार की मौर्यकालीन वास्तुकला, भौतिक सांस्कृतिक आयाम, उत्खनन से प्राप्त भग्नावशेष तथा पाटलिपुत्र की कला और संस्कृति से संबंधित चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कुम्हरार पार्क परिसर भारत सरकार के अधीन है और इसका रखरखाव भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जाता है। पूर्व में यहां किए गए उत्खनन के दौरान कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक वस्तुएं और निर्माण अवशेष प्राप्त हुए हैं।

मध्य प्रदेश कुप्रशासन का केंद्र बना, प्रधानमंत्री हमेशा की तरह खामोश हैं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की ''हत्या'' के लिए भाजपा का ''डबल इंजन'' जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया।'' उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई? लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी?''

इंदौर में हुई मौतों पर भी प्रधानमंत्री हमेशा की तरह मौन हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण कई लोगों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि ''जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा की तरह इस मामले पर भी मौन हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली हो रही है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह वही इंदौर शहर है जिसने केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर का ख़िताब जीता है। ये शर्मनाक बात है कि यहां पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ़ पानी के मोहताज हैं।''

उन्होंने दावा किया कि 11 साल से देश केवल लंबे-चौड़े भाषण, झूठ-प्रपंच, खोखले दावे, डबल-इंजन की डींगें सुन रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''जब मंत्री जी से सवाल पूछा जाता है तो वो गाली-गलौज पर उतर आते हैं। सत्ता के अहंकार में उल्टा पत्रकार पर हावी हो जाते हैं। भाजपा सरकारों के कुशासन पर पूरी मशीनरी पर्दा डालने में जुट जाती है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली है। उनका कहना था, ''याद दिलाना ज़रूरी है कि इस मिशन के तहत जल जीवन मिशन का 10 प्रतिशत धन दूषित पानी को साफ़ करने के लिए दिया जाता है।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''मोदी सरकार और भाजपा ने ना देश को साफ़ पानी मुहैया कराया है और ना ही स्वच्छ हवा। आम जनता भुगत रही है।''

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है।

प. बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस विपक्ष में रहेगी : शुभेंदु अधिकारी

चंचल (पश्चिम बंगाल)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में रहेगी।

अधिकारी ने कहा कि राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से यह संकेत मिल रहा है कि चुनाव में क्या होने वाला है। अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनी तो लोगों के लिए बेहतर कल्याण योजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह यह झूठ फैला रही है कि ममता बनर्जी सरकार की महिलाओं को वित्तीय सहायता देने वाली योजना को भाजपा बंद कर देगी। अधिकारी ने मालदा जिले में जनसभा को संबोधित करते कहा, ''पश्चिम बंगाल में अप्रैल में तृणमूल कांग्रेस विपक्षी पार्टी बन जाएगी।'' पश्चिम बंगाल में 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच मतों का अंतर केवल 40 लाख का

दीर्घकालिक त्रासदी साबित होने वाली हैं ग्रेट निकोबार परियोजनाएं : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को दावा किया कि सरकार ने ग्रेट निकोबार से जुड़ी परियोजनाओं को जिस लालच और नासमझी के चलते जल्दबाज़ी में मंजूरी दी है, वह पूरे इलाके के लिए एक ख़तरनाक और दीर्घकालिक त्रासदी साबित होने वाली है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ग्रेट निकोबार जैसे पारिस्थितिकी रूप से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में सरकार ने विकास के नाम पर हज़ारों करोड़ रुपए की आक्रामक परियोजनाओं को जिस लालच और नासमझी के चलते जल्दबाज़ी में मंजूरी दी है, वह पूरे इलाके के लिए एक ख़तरनाक और दीर्घकालिक त्रासदी साबित होने वाली है। उन्होंने दावा किया कि ये परियोजनाएं न सिर्फ़ वहां की संवेदनशील पारिस्थितिकी को अपूरणीय नुकसान पहुँचाएंगी, बल्कि आदिवासी समुदायों के अस्तित्व को भी योजनाबद्ध तरीके से हाशिये पर धकेलेंगी। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने ग्रेट निकोबार से संबंधित एक संकलन का उल्लेख करते हुए कहा, यह पूरा इलाका पहले से ही जलवायु आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, जहां प्राकृतिक संतुलन से ज़रा-सी भी छेड़छाड़ विनाशकारी परिणाम ला सकती है। इसके बावजूद सरकार ने चेतावनियों, वैज्ञानिक आकलनों और स्थानीय वास्तविकताओं को नज़रअंदाज़ करते हुए चंद कॉरपोरेट समूहों के मुनाफ़े के लालच में इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया है।

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराये गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की। तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो।'' उन्होंने कहा, ''यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घरों के पुरुष अक्सर महिलाओं के वित्तीय मामलों पर प्रभुत्व जमाने और नियंत्रण करने का प्रयास करते हैं, लेकिन किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने या व्यक्तिगत प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।''

पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जान को क्रूरता का कृत्य मानने से भी इनकार कर दिया। पीठ ने कहा, ''अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए और वैवाहिक मामलों में व्यवहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए, जहां आरोपों की जांच बड़ी सावधानी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से की जानी चाहिए, ताकि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोका जा सके।'' उन्नीस दिसंबर का यह फैसला उस अपील पर आया जो पति ने उच्च न्यायालय के 27 अप्रैल 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार किया गया था।

महिंद्रा समूह के सीईओ ने कर्मचारियों से कहा: बड़ा सोचो, अच्छे से क्रियान्वयन करो

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2026 की ओर बढ़ते हुए आत्मविश्वास, सहयोगपूर्ण सोच, चुस्ती और साहस के साथ बड़ा सोचिए और काम को अच्छे तरीके से क्रियान्वयन कीजिए। महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक अनिश शाह ने विविध कारोबार वाले इस समूह के कर्मचारियों से यह बात कही।

शाह ने अपने नववर्ष संदेश में इस बात पर जोर दिया कि समूह आगे बढ़ते हुए भी अपने मूल्यों से जुड़ा रहे। उन्होंने लिखा, ''हम 2026 की ओर आत्मविश्वास के साथ देख रहे हैं। हम सहयोगी होंगे, चुस्त होंगे और साहसी होंगे। एक टीम के रूप में काम करेंगे ताकि अपने उद्देश्य को साकार कर सकें और अपनी पूरी क्षमता हासिल कर सकें। बड़ा सोचिए। अच्छे से क्रियान्वयन कीजिए। और सबसे महत्वपूर्ण बात है कि इस यात्रा का आनंद लीजिए।'' समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा अक्सर विकसित महिंद्रा समूह को बरगद के पेड़ से जोड़ने वाला उदाहरण देते हैं। इसका उल्लेख करते हुए शाह ने कहा, ''बरगद का पेड़ पोषण करता है, जीवन को छूता है और मूल्य सृजित करता है। कई वर्षों में हम पहले से कहीं अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। बरगद के पेड़ की तरह, ऊपर उठते हुए भी हमें अपने मूल्यों में जड़ें जमाए रखनी होंगी। साथ ही नई शाखाएं विकसित करनी होंगी, जो एक दिन ऊंची होंगी और आकाश की ओर बढ़ेंगी।''

बिहार में ट्रेन में सोने की लूट की जांच कर रहा जीआरपी अधिकारी ही निकला आरोपी, गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में नवंबर में ट्रेन यात्री से 1.44 करोड़ रुपए मूल्य के सोने की लूट की जांच कर रहे एक राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) अधिकारी को इस वारदात में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार गया जीआरपी थाना प्रभारी राजेश कुमार सिंह को बुधवार को सोने की लूट मामले में गिरफ्तार किया गया। इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोलकाता स्थित स्वर्ण कारोबारी के कर्मचारी धनंजय शाश्वत ने गया रेल थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि नवंबर में जब वह हावड़ाबीकानेर एक्सप्रेस के 3-एसी कोच में यात्रा कर रहा था, तब उससे एक किलोग्राम सोना लूट लिया गया। शिकायत के अनुसार, शाश्वत ने बताया कि गया स्टेशन पर पुलिस वर्दी में चार लोग ट्रेन में सवार हुए। इनमें से दो उसके पास बैठ गए और सोने की खेप के बारे में पूछताछ करने लगे। बाद में वे सोने के बिस्कुट ले फरार हो गए। शाश्वत जयपुर में एक कारोबारी को सोने के बिस्कुट सौंपने जा रहा था। इस मामले की जांच के लिए पटना रेलवे पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम गठित की गई थी।

मोदी सरकार में पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना खत्म होने के कगार पर पहुंची : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए शुक्रवार को दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पैसे का उचित आवंटन नहीं करने के कारण पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) खत्म होने के कगार पर पहुंच चुकी है।

पार्टी के 'पूर्व सैनिक विभाग' के प्रमुख कर्नल (सेवानिवृत्त) रोहित चौधरी ने सरकार से आग्रह किया कि इस योजना के लिए हर साल 14 हजार करोड़ रुपए की राशि आवंटित की जाए। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ''जवानों को ये भरोसा रहता है कि सेवानिवृत्ति के बाद सरकार उनका और उनके परिवार का ध्यान रखेगी। लेकिन मोदी सरकार इस भरोसे के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रही है। 2003 में सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) शुरू किया गया था। कहा गया था कि ये एक कैशलेस और कैपलेस योजना होगी।'' उन्होंने दावा किया कि कैग की रिपोर्ट में बताया गया है कि इतने दिनों में पूर्व सैनिकों की तादाद बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार ने उसके हिसाब से न कोई व्यवस्था बनाई और न ही पैसे का आवंटन बढ़ाया है।

मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में 27 बम निष्क्रिय किए गए

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में सुरक्षा बलों ने 27 बम बरामद कर उन्हें निष्क्रिय कर दिया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों के एक अभियान के दौरान बृहस्पतिवार को ये देसी बम बरामद किए गए, जिन्हें बाद में मोंगल्हम गांव के पास एक स्थान पर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। उन्होंने बताया कि एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने बुधवार को इसी जिले के लैंगडम नुंगजेंगबी इलाके से तीन हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए। मणिपुर में दो साल पहले भड़की जातीय हिंसा के बाद से सुरक्षा बल लगातार तलाशी अभियान संचालित कर रहे हैं। मई 2023 से मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जारी इस जातीय संघर्ष में अब तक 260 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, उसे फिलहाल निलंबित रखा गया है।

साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर, छह हफ्तों तक हो सकते हैं बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन हाल में मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के दौरान पसली में फ्रैक्चर होने के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सुदर्शन भारत की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा नहीं हैं। अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की सातवीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था।

चौबीस वर्षीय सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मुकाबलों में खेल पाना मुश्किल है। हालांकि उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार सुदर्शन ने 29 दिसंबर को बेंगलूरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिपोर्ट किया था और वहां कराए गए स्कैन की रिपोर्ट में दाईं ओर की सातवीं पसली के 'एंटीरियर कॉर्टेक्स' में हल्का फ्रैक्चर आया है।

जिस स्थान पर उन्हें फ्रैक्चर हुआ, उसी जगह उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में नेट सत्र के दौरान चोट लगी थी।

स्कैन की रिपोर्ट के मुताबिक, ''साई फिलहाल निचले शरीर की ताकत और अनुकूलन पर काम कर रहे हैं और चोटिल पसली की सुरक्षा के लिए उचित सुरक्षा के इस्तेमाल किए जा रहे हैं। यह उनके लिए अच्छा काम कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया, ''शरीर के ऊपरी हिस्से की ट्रेनिंग अगले सात से 10 दिनों में शुरू की जाएगी। ''

समझा जाता है कि इस तरह की चोट को ठीक होने में आमतौर पर छह से आठ सप्ताह का समय लगता है।

सुदर्शन का टेस्ट क्रिकेट में हालिया प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, जहां वह 11 पारियों में से नौ में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

सुविचार

डर और बेवकूफ़ी भरे अहंकार के चलते कभी भी किसी ऐसे व्यक्ति को खोने न दें जो आपके लिए मूल्यवान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंगल संवाद : परिवारों की एकता का सूत्र

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में 'हिंदू सम्मेलन' को संबोधित करते हुए बहुत गहरी बातें कही हैं। खासकर पारिवारिक मेलजोल बढ़ाने के लिए जो तौर-तरीके बताए हैं, वे अत्यंत प्रासंगिक हैं। आज लोगों में अकेलापन बढ़ता जा रहा है, परिवार टूट रहे हैं। बड़े-बुजुर्ग शिकायत करते हैं कि नई पीढ़ी बिगड़ गई है। नौजवान शिकायत करते हैं कि हमारे बुजुर्ग पाबंदियां लगाते रहते हैं, चैन से नहीं जीने देते हैं। परिवार के सदस्य अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त रहते हैं। उन्हें दुनियाभर की जानकारी होती है। वे अमेरिका से लेकर जापान तक के मुद्दों पर विचार प्रकट करते हैं, लेकिन अपने परिवार के सदस्यों के साथ सीमित संवाद करते हैं। संवादहीनता की यह स्थिति दीर्घ अवधि में कई समस्याएं पैदा कर सकती है। डॉ. मोहन भागवत ने 'मंगल संवाद' का जो उदाहरण दिया है, उस पर देशवासियों को ध्यान देना चाहिए। हफ्ते में किसी एक दिन परिवार के सभी सदस्यों को साथ बैठना चाहिए और मेलजोल को मजबूत करने पर जोर देना चाहिए। इससे परिवारों की कई समस्याओं के समाधान तलाशने में मदद मिलेगी। इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि 'मंगल संवाद', 'कलह संवाद' न बन जाए। अक्सर देखने में आता है कि परिवार के बड़े सदस्य चाहते हैं कि (उनसे उम्र में) छोटे सदस्य उनकी हर बात स्वीकार कर लें। वे कहते हैं कि हमारे ज़माने में ऐसा होता था। जो सदस्य इससे जरा-सी असहमति जताता है, उसे अवज्ञाकारी घोषित कर दिया जाता है। धीरे-धीरे यह असहमति विद्रोह और विखंडन के बीज बो देती है।

इस स्थिति को कैसे टाला जाए? सबसे पहले, बच्चों पर कोई बात थोपी न जाए। बड़े सदस्यों को चाहिए कि वे अपने अनुभव बताएं। वे अपने गलत फैसलों के बारे में भी बताएं। 'मंगल संवाद' में परिवार के हर सदस्य को बोलने का मौका दें। यह आयोजन किसी भी स्थिति में ऐसा न हो, जिससे नई पीढ़ी को लगे कि हमें अपराधी की तरह अदालत में पेश किया जा रहा है। हर व्यक्ति में कुछ गुण और दोष होते हैं। 'मंगल संवाद' में गुणों पर ज्यादा चर्चा होनी चाहिए। किस सदस्य के कौनसे गुण के कारण परिवार को सहारा मिला, उसका उल्लेख करना चाहिए। उस सदस्य की खुले दिल से सराहना करनी चाहिए। परिवार कैसे एकजुट रहे, सभी सदस्य एक-दूसरे की मदद कैसे करें, अगर परिवार पर कोई संकट आया है तो मिलकर उसका कैसे मुकाबला करें, भविष्य को बेहतर बनाने के लिए क्या उपाय करें, गैर-जरूरी खर्चों को कैसे टालें, परिवार की आमदनी कैसे बढ़ाएं - जैसे कई बिंदुओं पर चर्चा करें। अगर कोई सदस्य किसी मुद्दे को लेकर नाराज है तो उससे बात करनी चाहिए। परिवार उसी स्थिति में मजबूत हो सकता है, जब सदस्यों में प्रेम हो। अगर प्रेम के बीच में पैसा आ गया तो संबंध बिगड़ेंगे। कई लोग शिकायत करते हैं कि जब वे छोटे थे तो संयुक्त परिवार में बड़े सदस्यों द्वारा उनसे अच्छा बर्ताव नहीं किया जाता था। वजह थी- पिता की कमजोर आर्थिक स्थिति। सभी लोग तो ऐसे नहीं होते, लेकिन बहुत लोग ऐसे होते हैं, जो बच्चों के पिता का बटुआ देखकर उनसे स्नेह करते हैं। अगर किसी की कमाई ज्यादा होती है तो उसके बच्चों को नहीं डांटा जाता। वहीं, कमजोर आर्थिक स्थिति वालों के बच्चों को गलती न होने पर भी खरी-खोटी सुनने को मिलती है। ऐसे बच्चे बड़े होकर उन बुजुर्गों का सम्मान नहीं करते और यह अलगाव टकराव का रूप ले लेता है। परिवार को टूटने से बचाने के लिए ऐसी स्थिति कभी पैदा न होने दें। स्नेह, संवाद और सद्भाव से ही परिवार मजबूत होंगे।

ट्वीटर टॉक

सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सदैव मंगलमय जीवन की प्रार्थना करती हूँ। आपका जीवन राष्ट्र और समाज सेवा की प्रेरणा से सदैव आलोकित रहे।

-वसुंधरा राजे

सीकर जिले के नीमकाथाना विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक श्री फूलचंद गुर्जर जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। उनका जाना भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें ।

-भजनलाल शर्मा

नीमकाथाना विधानसभा से पूर्व भाजपा विधायक श्री फूलचंद गुर्जर जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति दें।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

परेशान नहीं होना चाहिए

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है।

सामयिक

भारत 2026 : भविष्य की ओर एक आत्ममंथन

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'
मोबाइल : 9955818270

हर नया वर्ष केवल समय की एक नई इकाई नहीं होता, वह आत्मचिंतन, आत्मसमीक्षा और नवसंकल्प का अवसर लेकर आता है। 2026 के द्वार पर खड़ा भारत आज केवल प्रगति के आँकड़ों से नहीं, बल्कि अपने मूल्यों, अपने लोकतांत्रिक चरित्र और अपने मानवीय संवेदनाओं से पहचाना जाना चाहता है। यह समय है यह सोचने का कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं और किस तरह का राष्ट्र आने वाली पीढ़ियों को सौंपना चाहते हैं। सच्ची उन्नति वही है, जिसमें शक्ति के साथ करुणा, विकास के साथ न्याय और आधुनिकता के साथ समावेशिता भी समान रूप से स्थान पाए। भारत दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है और साथ ही लोकतांत्रिक अनुभव के लिहाज़ से एक युवा राष्ट्र भी है। यह द्वैत पहचान हमारे ऊपर विशेष जिम्मेदारी डालती है। हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारी विविधता है- भाषाओं की, संस्कृतियों की, आस्थाओं की, विचारों की और मतों की। 2026 में भारत ऐसा देश होना चाहिए जहाँ विविधता को केवल सहन नहीं किया जाए, बल्कि उसे शक्ति के स्रोत के रूप में अपनाया जाए। धर्म, जाति, क्षेत्र या विचारधारा के अंतर विभाजन के औज़ार न बनें, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद को समृद्ध करें और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करें।

वर्ष 2026 के भारत की कल्पना का एक मजबूत स्तंभ एक परिपक्व और नैतिक लोकतंत्र है। लोकतंत्र केवल हर पाँच वर्ष में वोट डाल देने तक सीमित नहीं होता, वह जवाबदेही, पारदर्शिता और सक्रिय नागरिक सहभागिता से जीवित रहता है। हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि विशेषाधिकार के प्रतीक नहीं, बल्कि ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा के आदर्श होने चाहिए। संसद की बहसें अतीत की अंतहीन खींचतान में उलझने के बजाय वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य के समाधान पर केंद्रित हों। एक सशक्त भारत के लिए सशक्त संस्थाएँ आवश्यक हैं- स्वतंत्र न्यायपालिका, जिम्मेदार और स्वतंत्र मीडिया, स्वायत्त जाँच एजेंसियाँ और ऐसा चुनाव तंत्र जो विश्वास पैदा करे। लोकतंत्र को केवल सत्तावादी प्रवृत्तियों से ही नहीं, बल्कि उदासीनता और चुप्पी से भी बचाना होगा। सामाजिक न्याय भारत की प्रगति के केंद्र में होना चाहिए। यदि आर्थिक विकास समाज के सबसे कमजोर वर्गों को ऊपर नहीं उठाता, तो उसका अर्थ अधूरा रह जाता है। 2026 में भारत ऐसा देश हो जहाँ गरीबी का समाधान नारों से नहीं, बल्कि निरंतर और प्रभावी नीतिगत प्रयासों से हो। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ और पोषण को दया या उपकार नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार के रूप में देखा जाए। विकास का असली पैमाना गगनचुंबी इमारतों की ऊँचाई नहीं, बल्कि हमारे सबसे गरीब नागरिकों के जीवन की सुरक्षा और गरिमा होनी चाहिए।

वर्ष 2026 के भारत की परिकल्पना में शिक्षा को विशेष महत्व मिलना चाहिए। हमारी शिक्षा प्रणाली रटंत विद्या और परीक्षा-केन्द्रित दबाव से आगे बढ़े। उसमें आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टि और नैतिक मूल्यों का विकास हो। विद्यार्थियों का जीवन असफलता के भय से ग्रस्त न हो और न ही वे पेपर लीक, अनुचित मूल्यांकन और अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा के शिकार बनें, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी दिलाना नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाना भी होना चाहिए। प्रवेश और अवसर योग्यता व पारदर्शिता के आधार पर मिलें, न कि सिफारिश या प्रभाव के कारण। रोज़गार और कौशल विकास भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। भारत की विशाल युवा आबादी एक जनसांख्यिकीय वरदान भी हो सकती है और यदि उसे सही दिशा न मिले तो चुनौती भी। 2026 में भारत ऐसा हो जहाँ सम्मानजनक और अर्थपूर्ण रोज़गार के अवसर उपलब्ध हों और श्रम की गरिमा को स्वीकार किया जाए। कौशल विकास कार्यक्रम वास्तविक बाज़ार की ज़रूरतों से जुड़े हों, जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, स्वास्थ्य सेवाएँ और डिजिटल क्षेत्र। रोज़गार सृजन के साथ-साथ रोज़गार की सुरक्षा और उचित कार्य परिस्थितियाँ भी सुनिश्चित की जाएँ।

आर्थिक विकास समावेशी और टिकाऊ होना चाहिए। एक सशक्त भारत वह नहीं है जहाँ संपत्ति कुछ हाथों में सिमट जाए और असमानता बढ़ती जाए। 2026 में भारत ऐसी अर्थव्यवस्था की ओर

बढ़े जहाँ उद्यमिता को प्रोत्साहन मिले, छोटे और मध्यम उद्योगों को समर्थन मिले और नवाचार को सम्मान दिया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विकास की कीमत पर्यावरण विनाश या सामाजिक असंतुलन के रूप में न चुकानी पड़े। विकास का केंद्र मनुष्य हो, केवल मुनाफा नहीं। पर्यावरणीय जिम्मेदारी अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट और वनों की कटाई भारत के भविष्य के लिए गंभीर खतरे हैं। 2026 में पर्यावरण संरक्षण शासन का मूल हिस्सा बने, कोई औपचारिक या गौण विषय नहीं। स्वच्छ हवा, सुरक्षित पेयजल और टिकाऊ शहर विलासिता नहीं, बल्कि मानव जीवन की बुनियादी आवश्यकता हैं। भारत को नवीकरणीय ऊर्जा, संरक्षण और जलवायु कार्रवाई में उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि घोषणाएँ ज़मीन पर वास्तविक बदलाव में बदल सकें।

लैंगिक समानता को काग़ज़ी नीतियों से निकलकर वास्तविक जीवन का हिस्सा बनना होगा। 2026 का भारत ऐसा हो जहाँ महिलाएँ हर स्थान पर घर, कार्यस्थल, सड़क और संस्थानों में सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करें। बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ केवल नारे न रह जाएँ, बल्कि समान वेतन, वास्तविक अवसरों और नेतृत्व में प्रतिनिधित्व के रूप में साकार हों। कोई भी राष्ट्र तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक उसकी आधी आबादी भेदभाव और भय के कारण पीछे धकेली जाती रहे। भारत के भविष्य को आकार देने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2026 में मीडिया लोकतंत्र का प्रहरी बने, सत्ता का प्रवक्ता नहीं। पत्रकारिता का उद्देश्य सनसनी और लाभ नहीं, बल्कि सत्य, साहस और जनहित हो। एक स्वस्थ लोकतंत्र को ऐसे मीडिया की आवश्यकता होती है जो असुविधाजनक प्रश्न पूछे, हाशिये पर खड़े लोगों की आवाज़ बने और दबावों के सामने झुके नहीं। सूचना की विश्वसनीयता उतनी ही जरूरी है जितनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। असहमति की संस्कृति भी उतनी ही आवश्यक है। एक आत्मविश्वासी राष्ट्र प्रश्नों और आलोचना से नहीं डरता। 2026 में भारत ऐसा देश हो जहाँ मतभेद को राष्ट्रद्रोह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार माना जाए। विश्वविद्यालयों, लेखकों, कलाकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों को बिना भय के अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता हो। राष्ट्रवाद का आधार अंधानुकरण नहीं, बल्कि संविधानिक मूल्यों में आस्था हो।

तकनीक और डिजिटल प्रगति अपार अवसर देती है, लेकिन उसे नैतिकता के मार्गदर्शन में आगे बढ़ना होगा। डिजिटल इंडिया का अर्थ पहुँच, समावेशन और सशक्तिकरण होना चाहिए, न कि निगरानी, बहिष्कार या भ्रम। शहरी और ग्रामीण भारत के बीच डिजिटल खाई को पाटना प्राथमिकता बने। तकनीक मनुष्य की सेवा करे, उस पर नियंत्रण न थोपे। 2026 का भारत संविधानिक नैतिकता न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व से संचालित हो। देशप्रेम नफ़रत या बहिष्कार से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और करुणा से व्यक्त हो। राष्ट्र से प्रेम का अर्थ है उसके नागरिकों की चिंता करना, उसकी संस्थाओं की रक्षा करना और उसके मूल्यों को बनाए रखना। भविष्य अपने आप नहीं आता, वह हमारे रोज़मर्रा के चुनावों से बनता है। सरकारों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन नागरिकों की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। 2026 में भारत ऐसा देश बने जहाँ लोग बदलाव की प्रतीक्षा न करें, बल्कि उसमें सक्रिय भागीदारी करें, प्रश्न पूछकर, योगदान देकर और संवेदनशील बनकर। आगे की ओर देखते हुए 2026 के भारत की तस्वीर स्पष्ट होनी चाहिए- एक लोकतांत्रिक, समावेशी, नैतिक और मानवीय राष्ट्र। ऐसा देश जहाँ प्रगति का मूल्यांकन केवल जीडीपी से नहीं, बल्कि न्याय से हो; केवल शक्ति से नहीं, बल्कि गरिमा से हो। यह कोई असंभव सपना नहीं है, यह एक आवश्यक सपना है। भारत के भविष्य के निर्माण का समय कल नहीं, आज है।

नजरिया

समुद्र की गहराइयों से उठती नारी शक्ति की गूंज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और आईएनएस वाघशीर की ऐतिहासिक यात्रा

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

भारत के सैन्य इतिहास में कुछ क्षण केवल घटनाएं नहीं, राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बन जाते हैं। पिछले दिनों जब भारत की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय नौसेना की अत्याधुनिक पनडुब्बी 'आईएनएस वाघशीर' पर सवार होकर समुद्र की गहराइयों में प्रवेश किया, वह क्षण भारत के सैन्य इतिहास में एक प्रतीकात्मक मील का पत्थर बन गया। उनकी यह यात्रा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं थी बल्कि यह भारत की समुद्री शक्ति, रक्षा आत्मनिर्भरता, महिला नेतृत्व और हिंद महासागर क्षेत्र में देश की निर्णायक भूमिका का सशक्त प्रदर्शन थी। राष्ट्रपति मुर्मू न केवल भारत की पहली महिला राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने पनडुब्बी यात्रा की बल्कि इसका गहरा प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि भारत अब तकनीकी, रणनीतिक और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर नया आत्मविश्वास अर्जित कर चुका है।

लगभग 19 वर्ष पहले फरवरी 2006 में भारत के राष्ट्रपति 'मिसाइल मैन' डा. एपीजे अब्दुल कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में समुद्री यात्रा की थी। तब से लेकर अब तक भारत का रक्षा परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। जो राष्ट्र तब विदेशी प्रणालियों पर निर्भर था, वह आज आत्मनिर्भरता और उन्नत तकनीकी क्षमता के साथ समुद्र की गहराइयों में अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा इस ऐतिहासिक निरंतरता को नया आयाम देती है। यह केवल एक संवैधानिक औपचारिकता नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रपति की एक सक्रिय, संलग्न और रणनीतिक भूमिका का प्रतीक है, जहां सर्वोच्च नेतृत्व स्वयं उन चुनौतियों और अवसरों को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करता है, जिनसे हमारे सशस्त्र बल प्रतिदिन जूझते हैं।

'आईएनएस वाघशीर' प्रोजेक्ट-75 स्कॉर्पीन कार्यक्रम की छठी और अंतिम पनडुब्बी है, जो भारतीय नौसेना में जनवरी 2025 में शामिल हुई थी। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने फ्रांस की कंपनी नेवल ग्रुप' के तकनीकी सहयोग से किया। यह सहयोग अब केवल तकनीक हस्तांतरण का मॉडल नहीं रहा बल्कि मेक इन इंडिया' की वास्तविक सफलता का उदाहरण बन चुका है। भारत आज न केवल जटिल नौसेना प्रणालियों को जोड़ने में सक्षम है बल्कि उनमें नवाचार करने की दिशा में भी अग्रसर है। तकनीकी रूप से वाघशीर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में गिनी जाती है। लगभग 67 मीटर लंबी और 1,565 टन वजनी यह पनडुब्बी 350 मीटर तक गोता लगाने और पानी के नीचे 37 किलोमीटर प्रति घंटे

की गति से चलने में सक्षम है।

आईएनएस वाघशीर का उन्नत स्टील्थ डिजाइन इसे दुश्मन के सोनार और रडार से लगभग अदृश्य बनाता है। वायर-गाइडेड टॉरपीडो और एंटी-शिप मिसाइलें इसे दुश्मन के किसी भी युद्धपोत को ध्वस्त करने की क्षमता देती हैं। उच्च-संवेदनशील सोनार और रडार प्रणालियां इस पनडुब्बी को खुफिया जानकारी, निगरानी और विशेष अभियानों के लिए आदर्श प्लेटफॉर्म बनाती हैं। 50 दिनों तक समुद्र में तैनाती की क्षमता से यह लंबी अवधि के मिशन संचालित कर सकती है। सबसे भविष्यवादी तत्व इसकी मॉड्युलर संरचना है, जो इसे आने वाले वर्षों में 'एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन' प्रणाली से लैस करने की सुविधा प्रदान करेगी। इस तकनीक के जोड़ने के बाद वाघशीर को सतह पर आए बिना लंबे समय तक गहराइयों में तैनात किया जा सकेगा, जिससे इसकी स्टील्थ और मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। राष्ट्रपति मुर्मू की यह यात्रा कारवार स्थित आईएनएस कदंब नौसैनिक अड्डे से प्रारंभ हुई, जो भारत के समुद्री सामर्थ्य का केंद्र बन चुका है। 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के तहत विकसित यह अड्डा 45 वर्ग किलोमीटर में फैला एक विशाल सामरिक बेस है। पूर्ण निर्माण के बाद यह स्वेज नहर के पूर्व में पृथ्वी का सबसे बड़ा नौसैनिक अड्डा होगा, जहां 50 से अधिक युद्धपोतों को रखने की क्षमता होगी। यह आधार केवल एक सैन्य सुविधा नहीं बल्कि भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक है। यहां से भारत न केवल अपने समुद्री तट की सुरक्षा करता है बल्कि पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र पर सामरिक निगरानी भी रखता है। कारवार का विकास हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की निर्णायक भूमिका के अनुरूप है, जहां व्यापारिक मार्ग, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक नियंत्रण सब कुछ समुद्र पर निर्भर है।

राष्ट्रपति की यात्रा का सबसे भावनात्मक क्षण वह रहा, जब उन्होंने पनडुब्बी में तैनात नौसैनिकों से संवाद किया। पनडुब्बी सेवा, सामान्य नौसैनिक जीवन से कहीं अधिक कठिन होती है, जहां सीमित स्थान, पूर्ण गोपनीयता, महीनों तक अंधकार और हर क्षण अप्रत्याशित खतरे रहते हैं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति का स्वयं आकर सैनिकों का अभिवादन करना उनके मनोबल को अतुलनीय शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने नौसैनिकों के अनुशासन, तकनीकी दक्षता और त्याग की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय सैन्य शक्ति का असली आधार उसकी मानव शक्ति है।' यह कथन भारत की उस सैन्य नीति को उजागर करता है, जो आधुनिक हथियारों जितनी ही ऊर्जा अपने जवानों की प्रतिबद्धता में देखती है।

एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला, जो देश की सर्वोच्च संवैधानिक पद पर हैं, उनका अत्याधुनिक पनडुब्बी में उतरना केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं बल्कि सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रतीक है। भारत की सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। 2014 में जहां महिला अधिकारियों की संख्या लगभग 3,000 थी, वहीं आज यह 11,000 से अधिक हो चुकी है। 2020 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णय के बाद 500 से अधिक महिला अधिकारियों को स्थायी आयोग दिया गया। 2022 से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिला कैडेट्स के प्रवेश से नए युग की शुरुआत हुई। राष्ट्रपति मुर्मू का सुखोई-30 एमकेआई, राफेल और अब पनडुब्बी में तीनों सशस्त्र शाखाओं का प्रत्यक्ष अनुभव, यह केवल नारी सशक्तिकरण का प्रतीक नहीं बल्कि यह संदेश भी है कि 21वीं सदी का भारत नेतृत्व को लिंग की सीमाओं से परिभाषित नहीं करता। उनकी यह यात्रा समाज की उस प्रेरणा का स्वर बन गई है, जो भारत की बेटियों को कहती है कि समुद्र की गहराइयां भी तुम्हारे साहस से अपरिचित नहीं हैं।

प्रोजेक्ट-75, जिसने वाघशीर जैसी पनडुब्बियों को जन्म दिया, भारत की तकनीकी स्वायत्तता की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसका उद्देश्य केवल छह पनडुब्बियां बनाना नहीं बल्कि भारत को पनडुब्बी निर्माण और डिजाइन की घरेलू क्षमता देना था। भारत अब अगले चरण 'प्रोजेक्ट-75 (आई)' की ओर बढ़ रहा है, जिसमें पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और निर्माण पर ध्यान रहेगा। इससे भारत न केवल अपनी रक्षा जरूरतें पूरा करेगा बल्कि भविष्य में अन्य देशों को भी नौसैनिक प्लेटफॉर्म निर्यात करने में सक्षम होगा। यह मार्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की उस व्यापक सोच से जुड़ा है, जहां रक्षा उत्पादन को आर्थिक विकास, कूटनीति और तकनीकी नवाचार से जोड़ा गया है।

वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में हिंद महासागर क्षेत्र वह भौगोलिक परिसीमा है, जहां वैश्विक शक्ति-संतुलन तय हो रहा है। विश्व व्यापार का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं समुद्री मार्गों से गुजरता है। चीन की बढ़ती नौसैनिक सक्रियता, दक्षिण चीन सागर का तनाव और इंडो-पैसिफिक में भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र को नया केंद्र बना दिया है। ऐसे में, भारत की नीति स्पष्ट है, 'सागर' : सभी के लिए सुरक्षा और विकास।' इसके विस्तार स्वरूप भारत ने महासागर और मैत्री जैसी पहलें शुरू की हैं, जो क्वाड देशों (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत) के साथ तालमेल से संचालित हो रही हैं। राष्ट्रपति की यह यात्रा विश्व समुदाय के लिए संकेत है कि भारत केवल क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं बल्कि एक नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर है, जो नियम-आधारित, स्वतंत्र और सुरक्षित समुद्री व्यवस्था को सशक्त कर रहा है। राष्ट्रपति की यह यात्रा केवल एक प्रतीकात्मक उपस्थिति नहीं थी बल्कि यह संदेश थी कि भारत का सर्वोच्च नेतृत्व अपने सिपाहियों के साथ खड़ा है, उनके जीवन, उनके संघर्ष और उनके गौरव को पूरी संवेदना से समझता है। पनडुब्बी के संकरे गलियारों में राष्ट्रपति का नौसैनिकों से बातचीत करना, उनके उपकरणों को देखना और उनके मनोबल को सराहना, यह उस गहरे विश्वास का प्रतीक है, जो सरकार और सशस्त्र बलों के बीच सेतु बनाता है। यह विश्वास ही भारत की सैन्य शक्ति का अदृश्य किन्तु सबसे प्रबल स्तंभ है।

आईएनएस वाघशीर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की समुद्री यात्रा भारत के आत्मनिर्भर, समावेशी और रणनीतिक भारत का जीवंत प्रतीक बन गई है। यह एक यात्रा मात्र नहीं थी बल्कि यह उस आत्मविश्वास की घोषणा थी, जो कहता है कि भारत अब किसी के संरक्षण में नहीं बल्कि अपनी तकनीक, अपने मानव संसाधन और अपने नेतृत्व के बल पर विश्व मंच पर खड़ा है। समुद्र की गहराइयों में उतरती यह पनडुब्बी केवल धातु का ढांचा नहीं बल्कि उस राष्ट्र की आत्मा है, जो शांति के प्रति समर्पित है पर आवश्यकता पड़ने पर अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार भी है। कुल मिलाकर, राष्ट्रपति मुर्मू और आईएनएस वाघशीर, दोनों एक ऐसे नए भारत के प्रतीक हैं, जो नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता और अडिग संकल्प के सहारे अपना भविष्य खुद गढ़ रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

समारोह

नई दिल्ली में शुक्रवार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की प्रिंसिपल सिमरित कौर, दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर योगेश सिंह, श्रीराम लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय श्री राम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के कर्टेन रेज़र इवेंट के दौरान।

खालिद को ममदानी के 'नोट' पर भाजपा ने कहा: भारत आंतरिक मामलों में दखल बर्दाश्त नहीं करेगा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी पर कार्यकर्ता उमर खालिद के बारे में 'नोट' लिखकर भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत के आंतरिक मामलों में टिप्पणी करने को लेकर ममदानी के अधिकार पर सवाल उठाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने न्यूयॉर्क शहर के मेयर को ऐसे प्रयासों के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा, यदि भारत की संप्रभुता को चुनौती दी जाती है, तो 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुट होकर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि भारत की जनता को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। यह टिप्पणी ममदानी द्वारा खालिद के लिए लिखे गए 'नोट' के बाद आई, जिसमें उन्होंने 'कड़वाहट' पर खालिद के विचारों और उसे अपने भीतर हावी न होने देने के महत्व को याद किया था।

ममदानी के इस 'नोट' को खालिद की सहयोगी बनोज्योत्सना लाहिड़ी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया। हस्तलिखित 'नोट' पर ममदानी के दस्तखत भी हैं। उन्होंने लिखा है, प्रिय उमर, मैं अक्सर आपके उन शब्दों को याद करता हूं जिनमें कड़वाहट को खुद पर हावी नहीं होने देने की बात कही गई थी। आपके माता-पिता से मिलकर खुशी हुई। हम सब आपको लेकर चिंतित हैं। इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाटिया ने आरोप लगाया, यदि कोई भी किसी आरोपी के समर्थन में सामने आता है और भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करता है, तो देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

पश्चिम बंगाल को 'पश्चिमी बांग्लादेश' बनाने की कोशिश की जा रही है : मिथुन चक्रवर्ती

कूच बिहार/भाषा। अभिनय जगत से राजनीति में आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल को 'पश्चिमी बांग्लादेश' में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन ये प्रयास कभी सफल नहीं होंगे।

मिथुन ने कूच बिहार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणियों की आलोचना की और कहा कि यह कोई अलग देश नहीं है जैसा कि वह सोच रही होंगी। उन्होंने कहा, बांकुड़ा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भारत के गृह मंत्री को धमकी दी और कहा कि उन्होंने ही उन्हें कोलकाता के उस होटल से बाहर आने दिया जहां वे ठहरे हुए थे। काश वे स्पष्ट रूप से कह देतीं कि गृह मंत्री को बंगाल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा... वह दिन विनाशकारी होगा। उन्होंने आगे कहा, यह कोई अलग देश नहीं है जैसा कि वह सोच रही होंगी।

मिथुन चक्रवर्ती ने 1990 के दशक में कश्मीर घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन पर आधारित अपनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि बंगाल में भी इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, पश्चिम बंगाल को पश्चिम बांग्लादेश में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि गायिका लग्नाजिता चक्रवर्ती को देवी मां की प्रशंसा में एक गीत गाने के लिए परेशान किया गया है।

मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, वे भले ही यह सोचते हों कि यह बांग्लादेश बन गया है, लेकिन वह दिन कभी नहीं आएगा। जब तक मिथुन चक्रवर्ती जैसे लोगों के शरीर में खून का एक भी कतरा बचा है, यह राज्य कभी बांग्लादेश नहीं बनेगा। हम संविधान में विश्वास रखते हैं, और इसीलिए हमने खुद को नियंत्रण में रखा है।

भाजपा नेता ने कहा कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का एकमात्र तरीका यह है कि सभी लोग एक साथ आएं। उन्होंने कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल के 'विवेकशील' समर्थकों से आगामी चुनावों में सरकार बदलने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया कि राज्य में कोई उद्यम, उद्योग, रोजगार या उचित स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, भ्रष्टाचार के अलावा इस राज्य में और कुछ नहीं है।

श्रद्धांजलि

बल्लारी में शुक्रवार को कांग्रेस एमएलए नारा भारत रेड्डी, दाएं, पार्टी कार्यकर्ता राजशेखर को अंतिम श्रद्धांजलि देते हुए।

डिजिटल गिरफ्तारी जैसी घटनाओं के प्रति जागरूकता के लिए पुलिस ने नाना पाटेकर के साथ फिल्म बनाई

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के कानपुर की डिजिटल गिरफ्तारी की एक असल घटना को ध्यान में रखते हुए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पुलिस ने अनुभवी सिने अभिनेता नाना पाटेकर के साथ एक छोटी जागरूकता फिल्म बनाई है ।

दरअसल, कानपुर की घटना में एक जागरूक नागरिक ने डिजिटल गिरफ्तारी की कोशिश कर रहे साइबर धोखेबाजों को उन्हीं के जाल में फंसाकर उनसे पैसे वसूल लिए थे।

यह फिल्म, जो उप्र पुलिस के साइबर सुरक्षा पर लगातार जन जागरूकता अभियान का हिस्सा है, सीधे कानपुर की घटना से प्रेरित है, जिसमें कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर धोखेबाजों ने एक आदमी को पैसे ट्रांसफर करने के लिए डराने की कोशिश की थी।

धोखाधड़ी को भांपते हुए, उस आदमी ने धोखेबाजों को मात दी, उनके झांसे का पर्दाफाश किया और घोटाले को उल्टा कर दिया – एक ऐसी घटना जिसने यह दिखाया कि जागरूकता और समझदारी से साइबर अपराधियों को कैसे हराया जा सकता है।

इसी घटना को दर्शाते हुए, यह छोटी फिल्म दिखाती है कि नाना पाटेकर एक आम, सतर्क नागरिक की भूमिका निभा रहे हैं जो धमकी भरे कॉल का सामना करने पर घबराता नहीं है। इसके बजाय, वह धोखेबाज से बात करता है, शांति से समझाता है कि डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कोई चीज़ नहीं होती है, और यह संदेश देता है कि डर ही साइबर अपराधियों का सबसे बड़ा हथियार है।

अधिकारियों ने एक बयान में बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा साइबर अपराध पर प्रभावी रोकथाम किए जाने के निर्देश दिए गए थे।

पुलिस महानिदेशक के मार्गदर्शन में बनी इस फिल्म का मकसद नागरिकों को उभरती हुई साइबर धोखाधड़ी की तकनीकों, खासकर नकली पुलिस अधिकारियों, वीडियो कॉल, धमकी और ऑनलाइन भुगतान की मांगों से जुड़े घोटालों से परिचित कराना है। इसका निर्देशन प्रख्यात फिल्म निर्देशक राज शांडिल्य ने किया है ।

उक्त लघु फिल्म के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई वैधानिक प्रक्रिया अस्तित्व में नहीं है, तथा किसी भी प्रकार की डराने-धमकाने वाली कॉल, वीडियो कॉल अथवा ऑनलाइन भुगतान की मांग साइबर ठगी का संकेत हो सकती है । यह लघु फिल्म उत्तर प्रदेश पुलिस के समस्त सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित की गई है इससे पहले, महाकुंभ 2025 के दौरान आमजन को होटल बूकिंग घोटाले से सतर्क करने के लिए अभिनेता शशि वर्मा अभिनीत लघु फिल्म* का प्रसारण किया गया था।

तनोट माता का आशीर्वाद लेने पहुंची 'बॉर्डर-2' की पूरी टीम

जैसलमेर/एजेन्सी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म 'बॉर्डर-2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन उससे पहले फिल्म का पहला गाना 'घर कब आओगे' चर्चा में बना हुआ है। 'घर कब आओगे' गाने का ऑडियो रिलीज हो चुका है, लेकिन इसका वीडियो जैसलमेर के तनोट माता मंदिर के पास लोंगेवाला में शुक्रवार शाम को रिलीज किया जाएगा। इस मौके पर सिंगर सोनू निगम गाने को लेकर काफी उत्साहित दिखे। 'बॉर्डर 2' के गाने 'घर कब आओगे' की भव्य लॉन्चिंग के लिए फिल्म की पूरी स्टारकास्ट और सिंगर्स जैसलमेर पहुंच चुके हैं। एयरपोर्ट पर सोनू निगम, वरुण धवन, भूषण कुमार, अहान शेट्टी और निधि दत्ता को भी देखा गया। पहले फिल्म की पूरी स्टारकास्ट भारत-पाक सीमा स्थित तनोट माता मंदिर में दर्शन के लिए जाएगी और फिर गाने की भव्य लॉन्चिंग में शामिल होगी। सनी देओल भी म्यूजिक लॉन्च में शामिल होंगे।

सोनू निगम ने म्यूजिक लॉन्च से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा, गाने को 30 साल पहले गाया था और दोबारा वैसा ही गाना गाने का मौका मिला है, बहुत खुशी हो रही है और ये गाना मेरे दिल के बहुत करीब है। उन्होंने आगे बताया कि वे पहली बार तनोट माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे हैं और ये उनके लिए सौभाग्य की बात है। गाने की लॉन्चिंग में सीमा की रक्षा करने वाले देश के जवान भी शामिल होंगे और उन्हीं के सामने गाने की लॉन्चिंग की जाएगी। इससे पहले फिल्म का टीजर लॉन्च भी भव्य तरीके से आयोजित हुआ था और इस मौके पर सनी देओल की आंखें नम थीं।

बता दें कि फिल्म 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई लोंगेवाला की लड़ाई से प्रेरित है। इस युद्ध में भारतीय वायुसेना का बड़ा योगदान रहा था, जिसने पाकिस्तान के मंसूबों को ध्वस्त कर दिया था। फिल्म बॉर्डर में भी भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध को दिखाया गया, लेकिन उसमें सारा फोकस थल सेना पर था, लेकिन बॉर्डर-2 में वायुसेना और थल सेना दोनों के महत्वपूर्ण योगदान को दिखाया गया है।

देश की रक्षा में जान गंवाने वाले सैनिकों को अनुपम खेर ने किया याद

मुंबई/एजेन्सी

500 से ज्यादा फिल्मों में काम करने वाले वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वे सोशल मीडिया पर फैंस को मोटिवेट करने से लेकर जिंदगी को नए नजरिए से जीने के लिए प्रेरित करते हैं। अब उन्होंने देश की रक्षा में जान गंवाने वाले सैनिकों को याद किया है और साथ ही उन माताओं की पीड़ा को भी शब्दों में बयां करने की कोशिश की है, जिन्होंने अपने नौजवान बेटों को खोया है। अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने उस मां और परिवार के नजरिए को शेयर किया है जिन्होंने अपने बेटे को देश पर न्योछावर कर दिया। अभिनेता ने वीडियो में एक किताब का जिक्र किया है जो उनकी दोस्त मेघना गिरीश ने लिखी है। मेघना वही मां हैं जिनके जवान बेटे अक्षय गिरीश ने आर्मी में सेवा देते हुए देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। अब मेघना ने 'फाइंडिंग न्यू मीनिंग' नाम की किताब लिखी है, जिसमें उनके बेटे के बलिदान के साथ-साथ उनकी जिंदगी में आए खालीपन के बारे में लिखा है।

अभिनेता अनुपम खेर किताब को लेकर काफी इमोशनल दिखे और उन्होंने अपने फैंस से अपील भी की है कि वे किताब को ज्यादा से ज्यादा खरीदें और एक मां की जिंदगी में आए खालीपन और उदासी को समझें। उन्होंने कैप्शन में लिखा, जब कोई सिपाही अपने देशवासियों की सुरक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान कर देता है, तो देश एक शहीद को खो देता है! लेकिन कोई न कोई अपना बेटा, भाई, पिता, पति या बचपन का दोस्त भी खो देता है! दुनिया में कोई भी चीज़ उस क्षति की भरपाई नहीं कर सकती! उन्होंने आगे लिखा, मेघना गिरीश को सलाम, जिन्होंने अपने बेटे मेजर अक्षय गिरीश को युद्ध में खोने के असहनीय दर्द को बयां करते हुए एक मां के रूप में अपनी कहानी लिखी है। हम उनके अकेलेपन को दूर नहीं कर सकते, लेकिन उनके दुख को बांटने की कोशिश कर सकते हैं। बता दें कि अनुपम खेर खुद अभिनेता के अलावा, एक लेखक हैं और वे अब तक चार किताबें लिख चुके हैं, जो जिंदगी जीने के नए तरीकों और नजरियों पर आधारित हैं। उनकी किताब लेसन्स लाइफ टॉट मी अननोइंगली बेस्ट सेलर बनी थी।

मुलाकात

चीफ़ ऑफ़ डिफ़ेंस स्टाफ़ जनरल अनिल चौहान अपनी पत्नी और डिफ़ेंस वाइव्स वेलफ़ेयर एसोसिएशन की प्रेसिडेंट अनुपमा चौहान के साथ आर्मी हॉस्पिटल में एक मरीज़ से मिलते हुए।

संभावनाओं का साल 2026 : 'स्पिरिट' से 'जेलर 2' तक, हॉरर-कॉमेडी, एक्शन से भरपूर ये फिल्में करेंगी दर्शकों का मनोरंजन

मुंबई/एजेन्सी

साल 2026 दक्षिण भारतीय सिनेमा के लिए यादगार साल होने वाला है। तेलुगू, तमिल और कन्नड़ की कई बड़ी फिल्में रिलीज होंगी, जिनमें एक्शन, हॉरर-कॉमेडी, गैंगस्टर ड्रामा और थ्रिलर समेत हर जॉनर की फिल्में शामिल हैं। प्रभास, थलापति विजय, यश और रजनीकांत जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में पैन इंडिया स्तर पर धमाल मचाएंगी। ये फिल्में मसाला, इमोशंस और विजुअल्स से थिएटर्स को हाउसफुल करने वाली हैं। साउथ इंडियन फिल्मों के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है कि इस साल एक-दो नहीं बल्कि कई फिल्में रिलीज होंगी। इस लिस्ट में प्रभास की 'द राजा साब', थलापति विजय की 'जन नायगन' और रजनीकांत की 'जेलर 2' के साथ अन्य फिल्में शामिल हैं। द राजा साब : प्रभास स्टारर द राजा साब एक रोमांटिक हॉरर-कॉमेडी फैंटसी फिल्म है। फिल्म में प्रभास एक युवा उत्तराधिकारी की भूमिका में हैं, जो रॉयल विरासत के लिए विषम परिस्थितियों के बीच सामने आता है और राजा साब बनता है। प्रभास के साथ फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, संजय दत्त और रिद्धि कुमार मुख्य भूमिकाओं में हैं। निर्देशक मारुति की यह फिल्म तेलुगू के अलावा हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में 9 जनवरी को रिलीज होगी।

जन नायकन : थलापति विजय की यह आखिरी फिल्म मानी जा रही है, इसके बाद वह राजनीति में पूरी तरह से फोकस करेंगे। यह पॉलिटिकल एक्शन थ्रिलर है, जिसमें विजय जन नायक के रूप में न्याय और शक्ति की लड़ाई लड़ते नजर आएंगे। फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, प्रकाश राज और प्रियमणि हैं। निर्देशक एच. विनोद की फिल्म भी 9 जनवरी को ही रिलीज होगी। माना शंकर वारा प्रसाद गुरु: बहुप्रतीक्षित फिल्म में मेगास्टार चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ नयनतारा लीड

हीरोइन हैं। यह फिल्म 12 जनवरी को संक्रांति पर रिलीज होगी। निर्देशक अनिल रविपुडी पहली बार चिरंजीवी के साथ काम कर रहे हैं।

भरता महासयुलकु विज्ञप्ति मास्टर: रवि तेजा की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन किशोर तिरुमाला ने किया है। यह फिल्म जनवरी में संक्रांति के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कम बजट में बनी यह फिल्म अपनी भावुक और दिल छूने वाली कहानी से दर्शकों का मनोरंजन करेगी। फिल्म में रवि तेजा अलग अंदाज में नजर आएंगे।

नारी नारी नडुमा मुरारी: यह मनोरंजक और हल्की-फुल्की फैमिली कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन राम अब्बाराजू ने किया है। फिल्म की कहानी त्योहार के उत्साही माहौल में सेट है, जहां परिवार, रिश्ते और हंसी-मजाक की भरमार है। इसमें रोजमर्रा की जिंदगी की मजेदार स्थितियां और दिल छूने वाले पल दिखाए गए हैं। संक्रांति के अवसर पर 14 जनवरी को रिलीज हो रही यह फिल्म पूरे परिवार के साथ देखने लायक है।

टॉक्सिक: यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स एक पीरियड गैंगस्टर ड्रामा है। गोवा की ड्रग कार्टेल पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म एक्शन से भरपूर है। 19 मार्च को रिलीज के लिए तैयार फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया मुख्य भूमिकाओं में हैं। गीतु मोहनदास के निर्देशन में बनी फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश के साथ ही छह भाषाओं में रिलीज होगी।

स्पिरिट: प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा की पहली जोड़ी वाली स्पिरिट एक हाई-वोल्टेज एक्शन ड्रामा है। फिल्म में प्रभास एक गुस्सैल पुलिस ऑफिसर की भूमिका में हैं, जिसमें इंटेंस इमोशंस और रॉ एक्शन होगा। उनके साथ तृप्ति डिमरी लीड हीरोइन हैं, जबकि विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज अहम रोल में हैं। निर्देशक संदीप रेड्डी की पैन इंडिया फिल्म की पहली झलक हाल ही में सामने आई है।

जेलर 2: साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों की बात करें तो रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भी है, जो 12 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। साल 2023 की ब्लॉकबस्टर जेलर के सीक्वल जेलर 2 में रजनीकांत फिर से 'टाइगर' मुथुवेल पांडियन के रोल में धमाल मचाएंगे। डार्क ह्यूमर और एक्शन से भरपूर फिल्म में रजनीकांत के साथ योगी बाबू, राम्या कृष्णन और अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार की फिल्म में संगीत अनिरुद्ध का है।

धनुष ने 2025 को बताया यादगार, नए साल से जताई उम्मीदें

मुंबई/एजेन्सी

साल 2025 दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार धनुष के लिए कई यादगार पल लेकर आया। तीन अलग-अलग भाषाओं में उनकी तीन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया और फैंस के बीच उनका स्टारडम और भी बढ़ गया। हर फिल्म में उनकी मेहनत, जुनून और अभिनय का जादू साफ नजर आया। ऐसे में नए साल 2026 की शुरुआत उन्होंने आभार और खुशियों के साथ की। सोशल मीडिया पर फैंस के लिए उन्होंने एक खास संदेश लिखा और नए साल की शुभकामनाएं दी। धनुष ने अपने पोस्ट में लिखा, ''2025 मेरे लिए बेहद खास और यादगार रहा। तीन फिल्मों का हिट होना एक बड़ा आशीर्वाद था और यह सब आप लोगों की वजह से ही हासिल हुआ। मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। आपके प्यार और समर्थन के बिना यह सब संभव नहीं था।'' नए साल के मौके पर धनुष

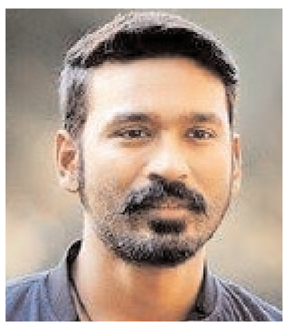

ने फैंस को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, ''मैं कामना करता हूं कि 2026 का साल सभी के लिए खुशियों, स्वास्थ्य और सफलता से भरा हो और यह साल हर किसी की जिंदगी में नई उमंग और उम्मीद लेकर आए।''

उन्होंने पोस्ट के आखिर में कहा कि आप सभी ही मेरी असली ताकत और सहारा हैं, 'ओम नमः शिवाय' साल 2025 की शुरुआत में धनुष की फिल्म 'कुबेर' रिलीज हुई, जिसने दर्शकों का दिल जीता। इस फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया। फिल्म में धनुष के अलावा, नागार्जुन, रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ, दलीप ताहिल और सयाजी शिंदे जैसे कलाकार दिखाई दिए। यह फिल्म तेलुगु और तमिल दोनों भाषाओं में रिलीज हुई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया और दर्शकों की खूब तारीफें पाई। इसके बाद धनुष की तमिल फिल्म 'इडली कढ़ाई' रिलीज हुई। फिल्म में नित्या मेनन, अरुण विजय, शालिनी पांडे और सत्यराज जैसे कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं।

बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने देश में तकरीबन 50.33 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 71.68 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया। साल की आखिर में उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' रिलीज हुई। इस फिल्म को आनंद एल. रॉय ने निर्देशित किया। इसमें कृति सेनन लीड रोल में नजर थीं। फिल्म ने पहले ही दिन 16 करोड़ रुपए की दमदार कमाई की थी।

नववर्ष का स्वागत आध्यात्मिक अनुष्ठान से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां गुरुवार को स्थानीय तेरापंथ भवन में नववर्ष के उपलक्ष्य में आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री पावनप्रभाजी के मंगल सान्निध्य में पैंसठिया छंद अनुष्ठान एवम वृहद् मंगलपाठ के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगल मंत्रोच्चार से कार्यक्रम की मांगलिक शुरुआत हुई। तत्पश्चात् पैंसठिया छंद का सामूहिक जाप हुआ तथा यंत्र के अनुरूप सभी तीर्थंकरों के नामों का जाप कराया गया। जैसे 22 अंक पर 22 बार भगवान नेमिनाथ का जप। लगभग 45 मिनट के अनुष्ठान में सभी ने पूरी तन्मयता के साथ प्रयोग किया। साध्वीवृंद द्वारा स्वरचित गीत का जब संगान हुआ तो सभी मंत्रमुग्ध हो गए।

द्वितीय चरण की शुरुआत स्थानीय सभा अध्यक्ष राजेश भंसाली के स्वागत भाषण से हुआ। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने अपने प्रेरणा पाथेय में आने वाले साल को सारगर्भित कैसे बनाया जाये, विषय पर अनेक बिंदु बताए। उसके पश्चात उपस्थित जनमेदनी को वृहद् मंगल पाठ सुनाकर आध्यात्मिक मंगल भावना प्रकट की। बेलगावी से आए सुभाषचंद सुराणा ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। नीलम सेठिया ने नए साल को बेहतर व उन्नयन कैसे बनायें, इसके गुर बताए। कार्यक्रम में इरोड, तिरुप्पुर, केजीएफ व बेल्लारी से अच्छी संख्या में श्रावक सम्मिलित हुए।

स्वागत — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां चंदन तिलक द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों से प्रभावित होकर चेन्नई की वर्धमान साधार्मिक सेवा एण्ड जीव दया समिति द्वारा आयोजित समारोह में समिति की अध्यक्ष कमला सज्जनराज मेहता ने सेवा कार्यों की जानकारी दी। समारोह की अतिरिक्त उपायुक्त ऑफ पुलिस डॉ. जी कन्नन ने अध्यक्षता की। उनका स्वागत पारस संचेती ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन एवं माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो जोधपुर में 9 से

दक्षिण भारत के उद्यमियों के लिए दक्षिण बिज़ लाउंज रहेगा विशेष आकर्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

MGC 2026
MAHESHWARI GLOBAL CONVENTION

चेन्नई / जोधपुर। माहेश्वरी समाज के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन के अंतर्गत आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपा (एमजीई) 2026 का आयोजन आगामी 9, 10 एवं 11 जनवरी को जोधपुर में किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देश-विदेश से हजारों माहेश्वरी समाजबंधु, उद्योगपति, व्यापारी एवं युवा उद्यमी सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर टीकेपी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई तथा एम-सर्कल चेन्नई-1 के संयुक्त तत्वावधान में एक्सपो परिसर के भीतर दक्षिण बिज़ लाउंज का विशेष आयोजन किया जा रहा है, जो दक्षिण भारत के माहेश्वरी उद्यमियों के लिए एक सशक्त एवं समर्पित व्यापारिक मंच के रूप में स्थापित होगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला,और केंद्रीय ग्रह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में होने वाला यह महाधिवेशन केवल एक आयोजन नहीं बल्कि वैदिक भारत से वैश्विक भारत की ओर बढ़ते समाज के कदम है। कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा भी उपस्थित रहेंगे। वहीं टीकेपी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री प्रमोद मालपानी ने कहा कि यह लाउंज केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग, नवाचार और सहयोग का एक सशक्त मंच सिद्ध होगा, जो आने वाले वर्षों में समाज के व्यापारिक विकास की आधारशिला बनेगा। आयोजकों को विश्वास है कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन एवं माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो 2026 समाज की आर्थिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक उन्नति में एक नया अध्याय जोड़ने वाला सिद्ध होगा ।

सुंदरम फाइनेंस द्वारा मैलापुर फेस्टिवल का आयोजन 8 जनवरी से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वित्तीय व्यवसाय के क्षेत्र में कार्यरत सुंदरम फाइनेंस द्वारा मैलापुर फेस्टिवल के 22 वें संस्करण का आयोजन 8 से 11 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव की परिकल्पना मैलापुर की सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने के लिए की गई है। यह महोत्सव चेन्नई की समृद्ध प्राचीन परंपराओं को जीवन्त बनाए रखने हेतु आयोजित किया जा रहा है जिसमें पारंपरिक नृत्य, संगीत, लोक कला, कोल्लम प्रतियोगिता, भोजन, शिल्प कार्यशालाएं और शतरंज प्रतियोगिताओं के साथ पारंपरिक खेल शामिल है। महोत्सव की सभी गतिविधियां मैलापुर स्थित कपालेश्वर मंदिर के आसपास की गलियों में आयोजित की जाएगी। इस महोत्सव में सुंदरम फाइनेंस द्वारा प्लास्टिक बैग का कम से कम उपयोग करने हेतु एवं इससे होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर एक अभियान भी चलाया जाएगा तथा आस पास के इलाकों में दस हजार से अधिक कपड़े के थैले वितरित किए जाएंगे।इस महोत्सव के दौरान, सुंदरम फाइनेंस वरिष्ठ नागरिकों को ब्लू ग्रीन माइल पर पैदल चलने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक नई पहल की शुरुआत करेगा।

मायलापुर महोत्सव के अंतर्गत, सुंदरम फाइनेंस और ईएफआई (एनवायरनमेंटल फाउंडेशन ऑफ इंडिया) एक अनूठा सतत विकास कार्यक्रम शुरू करेंगे। ग्रो योर फूड पहल के तहत स्वयंसेवकों द्वारा नागरिकों को अपने स्वयं के किचन गार्डन स्थापित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला के बाद, प्रतिभागी ब्लूग्रीन क्लब में शामिल होंगे, जो किचन गार्डन के शौकीनों का एक शहरी समुदाय है। यह समूह आवश्यकतानुसार ऑनलाइन जुड़ेगा और अभ्यासकर्ताओं के एक जीवंत नेटवर्क में विकसित होगा। ईएफआई, सुंदरम फाइनेंस की ओर से क्लब का मार्गदर्शन और प्रबंधन करेगा।

सुंदरम फाइनेंस के प्रबंध निदेशक राजीव लोचन ने बताया कि एक संस्थान के रूप में हम उन स्थानों में स्थानीय संस्कृति विरासत और परंपराओं को संरक्षित करने में विश्वास करते हैं जहां हम काम करते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरीकरण के कारण खुले सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने की गुंजाइश बहुत कम हो गई है परंतु यह कार्यक्रम ऐसी जगह पर आयोजित किया जा रहा है जहां कई पीढ़ी के लोग आपस में जुडाव महसूस करते है। कार्यक्रम में महोत्सव के निदेशक विंसेंट डिसूजा सुंदरम फाइनेंस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन वेंकटेशन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

ध्वजारोहण के मौके पर मंदिर शिखर पर श्रावक श्राविकाएं।

प्राकृत के विकास में संतों का सहयोग जरूरी : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई हवाई अड्डे के सामने 'दक्षिण पावापुरी' के नाम से प्रसिद्ध तीर्थंकर महावीर जिनालय की 21वीं वर्षगांठ पर 2 जनवरी को 22वां ध्वजारोहण कार्यक्रम हुआ, जिसमें चेन्नई के अनेक उपनगरों के सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं ने भाग लिया और दिनभर मेले जैसा वातावरण रहा। श्री चन्द्रप्रभु जैन श्वेताम्बर सेवा मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान एवं आचार्य कुलबोधि सूरीश्वर की निश्रा में संघवी प्रवीणकुमार, लक्ष, जिनय राठौड़ ने मुख्य ध्वजा, सत्तरभेदी पूजा, आंगी और नवकारसी का लाभ लिया। पद्मावती माता की ध्वजा का लाभ नथमल धरमचंद निंबजीया एवं घंटाकर्ण महावीर की ध्वजा का लाभ पारसमल जसराज खांटेड़ ने लिया।

उल्लेखनीय है कि 21 वर्ष पूर्व पौष सुदी चौदस को ही आचार्य सुशीलसूरीश्वर एवं आचार्य जिनोत्तमसूरीश्वर की निश्रा में मंदिर की प्रतिष्ठा हुई थी। उत्तर भारत में बिहार में भगवान महावीर की निर्वाण भूमि पावापुरी के जल मंदिर जैसा होने से इस जिनालय को दक्षिण पावापुरी तीर्थ कहा जाता है। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने आचार्यश्री, पंन्यास ज्ञानबोधि विजय एवं साध्वी वाचंयमाश्री, साध्वी विज्ञप्तियशाश्री आदि ठाणा को दक्षिण भारत में प्राकृत भाषा और साहित्य के अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अक्टूबर 2024 में प्राकृत को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है, अब प्राकृत के विकास में संतों के सहयोग की भी जरूरत है। प्रवीण कुमार राठौड़ ने डॉ. धींग द्वारा किए जा रहे साहित्यिक कार्यों की जानकारी दी।

मानव सेवा ही माधव सेवा है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई मेंटल हेल्थ हॉस्पिटल किलपॉक में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने शुक्रवार को कहा कि अभावग्रस्त पीड़ित आत्माओं को देखकर उन्हें अनदेखा करके, पूजा भक्ति साधना में लीन रहता है, वह संवेदनहीन, निष्ठुर, धर्म और मानवता के नाम पर कलंक है। मेंटल हेल्थ हॉस्पिटल में मरुधर केसरी मिश्रीमलजी की पुण्यतिथि एवं आचार्य प्रवर हस्तीमल जी की जयंती पर मरुधर केसरी के भक्तों द्वारा आयोजित सेवा प्रकल्प को संबोधित करते कहा कि मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे में नहीं भगवान का दर्शन करना है। अगर उनको पाना है उनके निवास गरीब लोगों के अंदर है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्राणी में परमात्मा स्वरुप आत्मा विराजमान है। उनकी सेवा में निस्वार्थ भाव समर्पित होना चार धाम की यात्रा से बढ़कर है।

मुनि कमलेश ने बताया कि सेवा कार्यों में भी अपने और पराया का भेदभाव अपनाना उससे जो राग और द्वेष पैदा होता है उसे कर्मों का बंधन होता है। मंगल काम भी अमंगल में परिवर्तित हो जाता है। सेवा का अवसर मिलने पर अपने आप का सौभाग्य मानता है। उसका अपने ऊपर उपकार मानता है। इसके पुण्य प्रताप से मेरे पुण्य का संचय हुआ है ऐसा सोचने वाला परम ज्ञानी होता है।

जैन संत ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। इस मूल मंत्र को आत्मसात करने वाला सबसे महान धार्मिक है। देवता भी उसे पसंद करते हैं। किसी की सेवा करके उस पर एहसान जताना अमृत जैसे पुण्य को पाप में परिवर्तित कर देता है।

संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर मालयपम का सम्मान पद्मराज कांकरिया, मीठालाल पगारिया, देवीलाल रांका ने किया। उत्तमचंद कोठारी, मीठालाल दुग्गड़, प्रसन्न दुग्गड़, देवराज सिसोदिया, वृद्धि चंद लोढ़ा, नरेंद्र गुगलिया, बाबूलाल कोठारी, राजेश चौरड़िया सहित अन्य गुरु भक्तों ने करीब 1000 वहां रहने वालों को भोजन करवाया।

बलेपेट सुपर नौवास बेंगलूरु टीम ने जीती क्रिकेट प्रतियोगिता

अखिल भारतीय सीरवी महासभा खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। सीरवी स्पोर्ट्स क्लब एवं चेरिटेबल ट्रस्ट, मैसूरु के तत्वावधान में पंचम अखिल भारतीय सीरवी महासभा खेल प्रतियोगिता का गुरुवार को नारलाई के संत भंवरजी महाराज के सान्निध्य में समापन हुआ। मैसूरु में विभिन्न खेल मैदानों में खेल प्रतियोगिताएं खेली गई। महिला वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिता में आरएसके सेवा समिति टीम तो पुरुष वर्ग खो-खो मैच में श्रीआईजी फाइटर कुशालपुरा टीम विजेता रही। बास्केटबॉल मैच प्रतियोगिता में मैसूरु की हॉस्टलर टीम, महिला वर्ग वॉलीबॉल मैच में नवयुवक मंडल परगना समिति बिलाड़ा टीम विजयी रही। पुरुष वर्ग रस्साकशी प्रतियोगिता में फायरबर्ड 'ए' टीम ने जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में टेबल टेनिस मैच में सुरेंद्र कुमार जीते।ङ्ग गुरुवार को जेके मैदान पर फाइनल क्रिकेट मैच में फाइटर बेंगलूरु टीम व बलेपेट सुपर नौवास बेंगलूरु टीम के बीच मुकाबला हुआ जिसमें बलेपेट सुपर नौवास टीम ने 5 विकेट से जीत हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। क्रिकेट श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी फायर बर्ड टीम के सुरेंद्र राठौड़, श्रेष्ठ बल्लेबाज बलेपेट सुपर नौवास के मुकेश, श्रेष्ठ गेंदबाज ट्रॉफी फाइटर के कैलाश रहे। ट्रॉफी के लाभार्थी लखाराम चोयल जीएम ने विजेता टीम बलेपेट सुपर नौवास को ट्रॉफी प्रदान की। इस मौके पर सीरवी स्पोर्ट्स क्लब एवं चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाराम राठौड़, सचिव मोहनलाल बर्फ़ा, खेलमंत्री धर्मीचंद लचेटा, खेलप्रतियोगिता के खेल संयोजक अगराराम चौयल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

संस्कार जीवन की संपदा है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की सिंधी कॉलोनी स्थित एक अपार्टमेंट में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि खदान से निकलते हुए सोने को देखो, उसमें चमक नहीं होती। वह अग्नि में तपा और चमकदार बन गया। आदमी भी जन्म के साथ ही महान नहीं होता। वह भी संस्कारों की अग्नि में तपता है और तब महान बनता है। संस्कार जीवन की संपदा है, हमारा जीवन सुंदर और संपन्न होता है।

उन्होंने कहा कि अगर आप कुछ सोच सकते हैं तो यकीन मानिए आप उसे कर भी सकते हैं। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि जिंदगी को स्वर्ग सरीखे आनंद और मिठासभरी बनाना चाहते हो तो अपने जीवन से पांच दोषों को हमेशा के लिए समाप्त कर दो। वे हैं स्वभाव में पलने वाला गुस्सा, भीतर में पलने वाला अहंकार-अभिमान या ईगो, छल-प्रपंच या माया, लोभ और ईर्ष्या। अभिमान को हटाने विनम्रता को अपना लो। माया को हटाने मित्रता को अपना लो। लोभ को हटाने संतोष को अपना लो। संतोष से बड़ा सुख और धन दुनिया में और कुछ होता नहीं है। ईर्ष्या को हटाने सबको अपना मान लो। औरों की खुशी में खुश होना और औरों के दुख को बांटना सीख लो।

वेक्यूरा रिस्क्लुप्ट क्लीनिक का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के टी नगर में उन्नत चिकित्सा प्रौद्योगिकी, डाटा आधारित निदान एवं व्यक्तिगत देखभाल के प्रति स्पष्ट प्रतिबद्धता एवं सौंदर्य स्वास्थ्य सेवा पर आधारित वेक्यूरा रिस्क्लप्ट क्लीनिक का शुभारंभ अभिनेत्री आलिया मनसा एवं प्रभा तथा वेक्यूरा रिस्क्लप्ट क्लीनिक की निदेशक कैरोलिन प्रभा रेड्डी वी केयर समूह के सीईओ मुकुंदन सत्यनारायण तथा डॉ राम गौतम की उपस्थिति में किया गया इस अवसर पर चेन्नई के प्रमुख चिकित्सक स्वास्थ्य सेवा पेशेवर, उद्योग विशेषज्ञ सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.